राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन की मासिक पत्रिका

स्काउट गाइड ज्योति

वर्ष–24 | अंक–07 | जनवरी, 2024 | कुल पृष्ठ–28 | मूल्य–₹ 15

राष्ट्र स्तरीय पर्यावरणीय जागरूकता एवं डेज़र्ट ट्रेकिंग शिविर

राज्य मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य संभागियों को संबोधित करते हुए (ऊपर) तथा सांस्कृतिक प्रस्तुति देते संभागी रोवर रेंजर एवं पुष्प–गुच्छ भेंट कर स्वागत करते हुए सहा. निदेशक आलेन्द्र शर्मा (नीचे)

कोटा मुख्यालय पर राज्य मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य को स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत करते हुए मण्डल अधिकारी

भरतपुर में राज्य मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य को स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत करते हुए मण्डल के सी.ओ. स्काउट व गाइड

बीकानेर में आयोजित संवाद कार्यक्रम में राज्य मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य का स्वागत करते हुए
झुंझुनूं जिले के मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अलसीसर श्री राजेन्द्र सिंह खीचड़, सहायक जिला कमिश्नर श्री दीपचंद लाखवान एवं संस्था प्रधान प्रतिनिधि डॉ. नवीन ढाका

राज्य मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य को माला पहना पुष्पगुच्छ भेंट कर जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं अर्पित करता हुआ राज्य मु. स्टाफ

स्काउट गाइड ज्योति
वर्ष : 24 अंक : 07
जनवरी, 2024

सलाहकार मण्डल

निरंजन आर्य
आई.ए.एस. (से.नि.)
स्टेट चीफ कमिश्नर

काना राम, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (स्काउट)

निर्मल पंवार
स्टेट कमिश्नर (रोवर)

डॉ. भंवर लाल, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (कब)

महेन्द्र कुमार पारख, आई.ए.एस. (से.नि.)
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

रूक्मणि आर.सिहाग, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (गाइड)

शुचि त्यागी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (रेंजर)

टीना डाबी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (बुलबुल)

मुग्धा सिन्हा, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

स्टेट कमिश्नर (हैडक्वार्टर्स–स्काउट)
नवीन महाजन, आई.ए.एस.
नवीन जैन, आई.ए.एस.
डॉ. एस.आर. जैन
एस.के.सोलंकी, आई.ए.एस.(से.नि.)
डॉ. अखिल शुक्ला

स्टेट कमिश्नर (अहिंसा, शांति–समन्वय)
मनीष कुमार शर्मा

राज्य कोषाध्यक्ष
ललित कुमार मोरोडिया

सम्पादक

डॉ. पी.सी.जैन
राज्य सचिव

सहायक सम्पादक

नीरज जैन

इस अंक में

	विषय	पृष्ठ संख्या
•	दिशाबोध	4
•	संपादकीय	4
•	राज्य मुख्यायुक्त द्वारा कोटा मण्डल की समीक्षा	5
•	राज्य मुख्यायुक्त द्वारा उदयपुर संभाग की समीक्षा	6
•	राज्य मुख्यायुक्त निरंजन आर्य का सीकर आगमन	7
•	भरतपुर संभाग समीक्षा बैठक	8
•	एशिया पेसिफिक रीजन की कार्यशाला	8
•	नेशनल लेवल रोवर/रेंजर कार्निवाल	9
•	निपुण, राज्य व राष्ट्रपति प्रशिक्षण शिविर	11
•	कब बुलबुल शिविर	11
•	WAGGGS WORKSHOP	11
•	प्रकृति अध्ययन शिविर, जिला बारां	12
•	स्काउटिंग का महत्व और मूलभूत सिद्धान्त	13
•	गतिविधि दर्पण	15
•	दक्षता पदक	20
•	हमारा स्वास्थ्य : उत्तम स्वास्थ्य में फल–सब्जी का महत्त्व	21
•	हमारे महापुरुष : पंजाब केसरी लाला लाजपतराय	23
•	पर्यटन स्थल : झालाओं की भूमि : झालावाड़	25
•	गतिविधि पञ्चांग	26

लेखकों से निवेदन

स्काउट गाइड ज्योति का प्रकाशन मात्र प्रकाशन भर नहीं है बल्कि यह पत्रिका हमारे संगठन का दर्पण है, जो आयोजित हो चुकी गतिविधियों को प्रस्तुत करने, संगठन के कार्यों और इसके प्रशिक्षण तथा अन्य समाजोपयोगी क्रियाकलापों के विचारों को प्रकट करने का सशक्त माध्यम है।

समस्त पाठकों, सृजनात्मक एवं रचनाधर्मी प्रतिभाओं से स्वलिखित, मौलिक व पूर्व में अप्रकाशित स्काउटिंग गाइडिंग से संबंधित लेख, यात्रा वृत्तान्त, कैम्प क्राफ्ट संबंधी लेख, प्रशिक्षण विधि, पाठक प्रतिक्रिया आदि प्रकाशनार्थ आमंत्रित हैं। आपके अनुभव प्रत्येक स्काउट गाइड के लिए अमूल्य हैं। आप द्वारा प्रेषित सामग्री आपके नाम व फोटो के साथ प्रकाशित की जावेगी। लेख स्पष्ट टंकित हो तथा उस पर यह अवश्य लिखा हो कि 'यह लेख मौलिक एवं अप्रकाशित है'।

प्रकाशनार्थ सामग्री हमारी ईमेल आई.डी. **scoutguidejyoti@gmail.com** पर भिजवाई जा सकती हैं।

स्काउट गाइड ज्योति वार्षिक सदस्यता शुल्क	आजीवन सदस्यता शुल्क
व्यक्तिगत शुल्क :100/– संस्थागत शुल्क:150/–	1200/–

शुल्क राशि राज्य मुख्यालय जयपुर पर एम.ओ. अथवा 'राजस्थान स्टेट भारत स्काउट एण्ड गाइड, जयपुर' के नाम डिमान्ड ड्राफ्ट द्वारा जमा कराई जा सकती है।

नोट : स्काउट गाइड ज्योति में छपे/व्यक्त विचार प्रस्तोता के अपने हैं। यह जरूरी नहीं है कि संगठन इनसे सहमत ही हो।

दिशाबोध

स्काउट गाइड नामांकन

प्रदेश स्काउट गाइड संगठन प्रदेश के सभी निजी व राजकीय विद्यालयों में स्काउटिंग प्रारम्भ करने की महती योजना की क्रियान्विति के लिए प्रयत्नशील है। इसके तहत सभी विद्यालयों में स्काउट–गाइड ग्रुप पंजीकरण के लिए प्रचार–प्रसार के साथ सकल प्रयास किये जा रहे हैं। इस मुहीम में हमें आप सभी का सक्रिय एवं संकल्पित सहयोग अपेक्षित है।

हमें जन–जन को अवगत कराना है कि स्काउटिंग व्यक्ति के स्वयं के लिए तो उपयोगी एवं महत्वपूर्ण है ही अपितु यह समाज, देश, विश्व एवं प्राणीमात्र के लिए भी उपयोगी है। वह कौनसा व्यक्तिगत या सामाजिक गुण है जो स्काउटिंग से अछूता है? स्काउटिंग की प्रतिज्ञा और इसके नियम इस आंदोलन की भावना के परिचायक हैं।

स्काउटिंग के नियमों का पालन कर कोई भी व्यक्ति एक अच्छा इंसान और एक सुनागरिक बन सकता है। स्काउटिंग व्यक्ति के जीवन में ऐसे गुणों का संचार करती है जो जीवन को ऊँचाई की ओर ले जाते हैं। स्काउटिंग लोगों को प्रकृति के बीच उसके साथ रहना सिखाती है। शिविर में जीवन बिताने से व्यक्ति में वीरता, जीवनरक्षा, सहनशीलता, प्राणीमात्र से प्रेम करना, सहयोग, सहचर्य, आत्मनिर्भरता, संकटों का सामना करना, संकट के समय स्थिर रहना, पर्यावरण की रक्षा करना, प्रकृति से प्रेम करना, आत्मविश्वास तथा स्वावलम्बन आदि अनेक गुणों का समावेश होता है। व्यक्ति का स्वास्थ्य अच्छा रहता है। उसमें शक्ति तथा ऊर्जा का संचार होता है। वन कला से व्यक्ति की अवलोकन शक्ति तीव्र हो जाती है। विश्वसनीयता, सच्चरित्रता, ईमानदारी, अनुशासनशीलता, सहायता करने की भावना, दया, प्रेम, निःस्वार्थ सेवा, प्रतिदिन कम से कम एक भलाई का कार्य करने का संकल्प आदि ऐसे सामाजिक गुण हैं जो समाज एवं देश को ऊँचा उठाते हैं।

अतः मैं सभी से आह्वान करता हूँ की प्रदेश के सभी विद्यालयों को इस महत्वाकांक्षी आन्दोलन का सदस्य बनने हेतु प्रेरित करें। गणतंत्र दिवस की शुभकामनाओं सहित....

निरंजन आर्य
स्टेट चीफ कमिश्नर

संपादकीय

प्रत्येक कार्य और योजना एक निर्धारित लक्ष्य को दृष्टिगत रखते हुए निर्धारित किये जाते हैं। प्रदेश स्काउट गाइड संगठन में भी प्रत्येक शिविर, गतिविधि, कार्यक्रम इत्यादि एक लक्ष्य की पूर्ति के लिए ही किया जाता है। प्रदेश में माननीय राज्य मुख्यायुक्त महोदय ने सभी ऑर्गेनाइजर्स को संख्यात्मक व गुणात्मक वृद्धि का लक्ष्य आवंटित किया हुआ है। हमारी संख्यात्मक और गुणात्मक वृद्धि ही हमें हमारे समाज व देश के प्रति कर्तव्यों व दायित्वों के निर्वहन के प्रति प्रतिबद्धता को प्रतिपादित करती है। अधिक से अधिक बालक–बालिकाओं को संगठन का सक्रिय सदस्य बनाना और स्काउट गतिविधियों के माध्यम से उनका समग्र यथा मानसिक, शारीरिक, बौद्धिक व चारीत्रिक विकास करना ही हमारा लक्ष्य है...हमारा ध्येय है।

माननीय राज्य मुख्यायुक्त महोदय के मुख्य आतिथ्य में हाल ही में मण्डलवार समीक्षात्मक बैठकों का आयोजन किया गया है। बैठकों में अनेक जिलों के आर्गेनाइजर्स का लक्ष्यों के प्रति उपलब्धि में कमी पाया जाना चिन्तनीय विषय है। शिविरों में सक्रिय सहभागिता, आवंटित संख्या में संभागित्व, प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन, रैलियों सेमीनारों का आयोजन, स्काउट गाइड ज्योति के सदस्य बनाना, राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय शिविरों में जिले के स्काउट गाइड की सहभागिता, इत्यादि अनेक बिन्दु हैं, जिनमें हमें विशेष रूप से ध्यान देना है और अपनी शत–प्रतिशत उपलब्धि हासिल करनी ही है।

मेरा सभी से आग्रह है कि लक्ष्य–उपलब्धि के प्रति राज्य मुख्यायुक्त महोदय बहुत सजग हैं। उन्होंने सभी ऑर्गेनाइजर्स को बेहतरीन ढंग से कार्यों को अंजाम देने तथा लक्ष्यों की पूर्ति आवश्यक रूप से करने के निर्देश दिये हैं। अतः इसे गंभीरता से लेवें।

स्काउट गाइड भावना सहित....!

डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव

विशेष

राज्य मुख्यायुक्त द्वारा कोटा मण्डल की समीक्षा

राज्य मुख्यालय जयपुर के तत्वावधान मे आयोजित प्रथम मंडल स्तरीय आर्गेनाइजर रिव्यू सेमीनार दिनांक 12 दिसम्बर 2023 को राज्य मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य की अध्यक्षता मे मंडल मुख्यालय कोटा के सभा कक्ष मे सम्पन्न हुई। सभा मे सभी आर्गेनाइजर्स द्वारा सत्र 2023–24 मे आवंटित लक्ष्यों की तुलना मे प्राप्त उपलब्धियो की समीक्षा कर शेष उपलब्धियो की पूर्णता हेतु निर्देशित किया गया। अध्यक्षीय उद्बोधन मे राज्य मुख्यायुक्त महोदय ने कहा कि प्रदेश संगठन की राष्ट्रीय स्तर पर अपनी एक अलग पहचान सभी आर्गेनाइजर्स के कार्य एवं स्काउटर/गाइडर, स्काउट/गाइड की निःस्वार्थ भाव से की गई सेवा से बनी है। इसे हमें अपने कार्यों से तथा दी गई उपलब्धियों को पूर्ण कर बनाये ही नहीं रखना है वरन और अधिक सशक्त बनाकर अक्षुण्य बनाये रखना है। उन्होंने सभी ऑर्गेनाइजर्स को बेहतरीन ढंग से कार्यों को अंजाम देने तथा लक्ष्यों की पूर्ति आवश्यक रूप से करने के निर्देश दिये।

इस अवसर पर राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) श्री पूरण सिंह शेखावत ने अपने संबोधन में कहा कि सभी ऑर्गेनाइजर राज्य मुख्यालय के निर्देशों तथा उच्चाधिकारियों की अपेक्षाओं पर अपने आप को साबित करते हुए अपने जिले के सभी लक्ष्यों को पूर्ण करते हुए प्रदेश स्तर पर अपने जिले के स्काउट/गाइड, स्काउटर/गाइडर्स को गौरवान्वित करावें। उन्होंने राज्य मुख्यायुक्त महोदय के निर्देशों व राज्य मुख्यालय के समस्त आदेश निर्देशों को गम्भीरता प्रदान करने को कहा।

सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) श्री दिलीप कुमार माथुर ने राज्य मुख्यायुक्त महोदय को सभी सर्कल आर्गेनाइजर्स की ओर से विश्वास दिलाया की कोटा मंडल अपनी पूर्व परम्पराओं के अनुसार कार्य करता रहेगा तथा जिन भी ऑर्गेनाइजर के लक्ष्यों मे कमी रही है उन्हें निर्धारित अवधि से पूर्व पूर्ण कर लिया जावेगा।

संवाद कार्यक्रमः

स्काउट/गाइड संवाद कार्यक्रम के तहत आयोजित कार्यक्रम मे कोटा मंडल के सभी नये पुराने सदस्यों से रूबरू होते हुये राज्य मुख्यायुक्त महोदय ने कहा कि प्रदेश संगठन में कोटा मंडल की एक विशिष्ट पहचान यहाँ के कर्मठ कार्यकर्ताओं की बदोलत है जो प्रदेश संगठन के पदाधिकारियों को आप सब से मिलने के लिये आतुर करती है। इसी का ही परिणाम है कि आज हम सब एक साथ यहां है।

इससे पूर्व कार्यक्रम मे राज्य उपप्रधान श्रीमती सुमन श्रृंगी ने राज्य मुख्यायुक्त महोदय के प्रथम बार कोटा आगमन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बुके भेंट कर स्वागत करते हुए कहा कि आर्य साहब के अथक एवं निरन्तर प्रयासों से 67 वर्ष बाद एक बार फिर से जंबूरी का आयोजन रोहट पाली मे हुआ। इसकी चहूँ ओर चर्चा ही नहीं रही वरन प्रदेश संगठन ने प्रथम पुरस्कार नेशनल कमिश्नर फ्लेग एवं शील्ड प्राप्त कर अपनी सक्षमता सिद्ध की।

आयोजित कार्यक्रम मे राज्य मुख्यायुक्त ने सभी से स्काउट/गाइड संगठन को और अधिक प्रभावी बनाये जाने की आवश्यकता को देखते हुए सभी के विचार जाने।

1. ऐतिहासिक एवं पुरामहत्व की इमारतों/जल स्त्रोतों के संरक्षक/संर्वधन हेतु स्काउट/गाइड के माध्यम से जनचेतना।
2. ब्लॉक स्तर पर पूर्णकालिक सचिव (अध्यापक) की प्रतिनियुक्ति।
3. एस.टी.सी. की तरह बी.एड मे भी स्काउट/गाइड बेसिक कोर्स आवश्यक कराना।
4. स्थानीय संघ स्तर पर ट्रेनिंग सेन्टर निर्माण।

उक्त सुझावो पर माननीय राज्य मुख्यायुक्त महोदय ने कहा की आपके स्तर के बिन्दुओं पर आप कार्यवाही करें, ऊपर के स्तर पर हम कार्यवाही करायेंगे। श्री आर्य ने संगठन को और बेहतर बनाने हेतु राज्य स्तर पर श्रीमती सुमन श्रृंगी की अध्यक्षता में कमेटी गठन करने का कहा, जो प्रदेश मे स्काउट/गाइड को और अधिक बेहतर बनाने के लिए अपनी रिपोर्ट देगी।

अंत मे सहायक राज्य संगठन आयुक्त श्री दिलीप माथुर ने धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन सी.ओ. (स्काउट) प्रदीप चित्तोड़ा ने किया।

विशेष

राज्य मुख्यायुक्त द्वारा उदयपुर संभाग की समीक्षा

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड मण्डल उदयपुर के सर्कल ऑर्गेनाइजर्स की बैठक राज्य मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य की अध्यक्षता में 14 दिसम्बर 2023 को मण्डल मुख्यालय उदयपुर पर आयोजित हुई। जिसमें राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन, कार्यवाहक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) सुश्री सुयश लोढ़ा, सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) मण्डल उदयपुर श्री प्रमोद कुमार शर्मा सहित मण्डल के सभी जिलों के सर्कल ऑर्गेनाइजर्स उपस्थित थे।

बैठक में निम्नानुसार बिन्दुओं पर विचार विमर्श कर राज्य मुख्यायुक्त महोदय ने निर्देश दिए–

1. **संख्यात्मक प्रगति :–** सभी सी.ओ. स्काउट गाइड के द्वारा ग्रुप पंजीकरण के लक्ष्य के अनुसार समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान राज्य मुख्यायुक्त ने निर्देश दिए की जिस जिले में एक सी.ओ है वह 160 ग्रुप पंजीकृत करवाएंगे। राज्य मुख्यायुक्त महोदय ने पैक, क्रू, फ्लॉक एवं टीम का अधिक से अधिक पंजीकृत कराने के निर्देश दिए। साथ ही डूंगरपुर जिले के लिए निर्देश दिए की लक्ष्य के अनुसार पैक, क्रू, फ्लॉक एवं टीम के लक्ष्यों को पूरा करना है।
2. **गुणात्मक प्रगति :–** गुणात्मक प्रगति की समीक्षा कर राज्य मुख्यायुक्त महोदय ने निर्देश दिए की लक्ष्यों को माह जनवरी 2024 तक पूरा करें एवं राष्ट्रपति अवार्ड पंजीकरण लक्ष्य के अनुसार पूरा किया जावें। राज्य मुख्यायुक्त महोदय ने निर्देश दिए की कब बुलबुल गतिविधि प्रत्येक जिले में अधिक से अधिक हो और कब बुलबुल की गुणात्मक प्रगति को पूरा किया जावें। सर्कल आर्गेनाइजर्स द्वारा अवगत कराया कि राज्य पुरस्कार पंजीकरण पोर्टल राज्य मुख्यालय द्वारा बन्द कर दिया गया है। इसके लिए राज्य मुख्यायुक्त महोदय ने राज्य मुख्यालय को पोर्टल खुला रखने के निर्देश प्रदान किए।
3. **बेसिक कोर्स :–** राज्य मुख्यायुक्त महोदय ने निर्देश दिए की सभी सर्कल ऑर्गेनाइजर्स बेसिक कोर्स के लक्ष्य को माह जनवरी 2024 तक पूरा करें एवं रोवर लीडर/रेंजर लीडर के लक्ष्यों की पूर्ति के लिए मण्डल/जिला स्तर पर बेसिक कोर्स किए जावें। ताकि जिले के प्रत्येक महाविद्यालय में रोवर रेंजर गतिविधि संचालित की जा सके। राज्य मुख्यायुक्त महोदय ने निर्देश दिए कि प्रशिक्षण कार्यक्रम उमावि के अध्यापक–अध्यापिकाओं का अलग से आयोजित किया जावें और अन्य अध्यापक/अध्यापिकाओं का सशुल्क प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जावें।
4. **सक्रीय/निष्क्रिय ग्रुप :–** राज्य मुख्यायुक्त महोदय ने पंजीकृत सभी ग्रुपों को अति सक्रीय/सक्रीय/सामान्य एवं निष्क्रिय ग्रुपों में विभाजित करने के निर्देश दिए।

   जिन ग्रुपों में गोल्डन ऐरो/चतुर्थ चरण/हीरक पंख, राज्य पुरस्कार/राष्ट्रपति अवार्ड बन रहे है वे अति सक्रीय की श्रेणी में लिया जावें।

   जिन ग्रुपों में तृतीय चरण/स्वर्ण पंख तृतीय सोपान/निपुण बन रहे है वे सक्रीय की श्रेणी में लिया जावें।

   जिन ग्रुपों में द्वितीय चरण/रजत पंख द्वितीय सोपान/प्रवेश रोवर रेंजर बन रहे है व कोटामनी समय पर जमा हो रही है, उन ग्रुपों को सामान्य की श्रेणी में लिया जावें।

   जिन ग्रुपों में कोई भी कार्य नहीं हो रहा है, उन ग्रुपों को निष्क्रिय ग्रुपों की श्रेणी में लिया जावें। साथ ही सभी आर्गेनाइजर्स ने सक्रिय/निष्क्रिय ग्रुपो एवं विजिट कार्यक्रम पी.पी.टी के माध्यम से प्रदर्शित किया।
5. **ओवाईएमएस** के लिए राज्य मुख्यायुक्त महोदय ने निर्देश दिए की सभी जिलों में शिक्षा विभाग के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर 50 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति करें।
6. **मण्डल एवं जिला प्रशिक्षण केन्द्रों** के लिए मुख्यमंत्री नवाचार निधि योजना, डी.एम.एफ.टी., जनजाति विभाग एवं भामाशाहों के सहयोग से योजना का क्रियान्वयन करें। जिला मुख्यालय बांसवाड़ा में मण्डल प्रशिक्षण केन्द्र हेतु एवं जिला मुख्यालय

डूंगरपुर प्रशिक्षण केन्द्र के लिए राज्य मुख्यालय की ओर से माननीय राज्य मुख्यायुक्त महोदय का पत्र संभागीय आयुक्त बांसवाड़ा/जिला कलक्टर बांसवाड़ा/डूंगरपुर को जल्द भिजवाया जावें।

7. **जिला सेटअप** अन्तर्गत मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी को जिस प्रकार पदेन जिला मुख्यायुक्त माननीय राज्य मुख्यायुक्त महोदय द्वारा मनोनीत किया गया है ठीक इसी प्रकार जिला कलक्टर को पदेन जिला संरक्षक, भारत स्काउट गाइड मनोनीत करने के लिए राज्य मुख्यायुक्त महोदय का पत्र भिजवाया जावें।

8. **जनजाति गतिविधियों** के लिए सहायक राज्य संगठन आयुक्त उदयपुर द्वारा सम्पूर्ण 09 जिलों की योजना बनाना, समय–समय पर स्वीकृति जारी करना, वर्ष पर्यन्त गतिविधियों का आयोजन करवाना किया जाएगा।

प्रशिक्षण केन्द्र का निरीक्षण:

मण्डल प्रशिक्षण केन्द्र का निरीक्षण कर माननीय राज्य मुख्यायुक्त ने कहा कि यहाँ पर विकास कार्य की अत्यधिक जरूरत है। गाइड विभाग के लिए और स्टाफ हेतु स्नानघर एवं शौचालय तैयार कराये जावे। महल परिसर में हरिटेज को ध्यान में रखते हुए ऊपर के परिसर का सौन्दर्यीकरण करवाया जाए, जिसमें पुरानी विरासत को साथ लेते हुए विकास कार्य करवाया जाए। स्काउट/गाइड के लिए भोजन शाला का निर्माण करवाया जाए और ऊपर महल में वायर फेंसिग करवाई जाए। प्रशिक्षण केन्द्र के गेट व अन्य कार्य के लिए डीएमएफटी, जनजाति विभाग व विधायक फण्ड एवं भामाशाह द्वारा सहयोग राशि प्राप्त कर कार्य करवाए जाएं।

विशेष

राज्य मुख्यायुक्त निरंजन आर्य का सीकर आगमन

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य एवं आरपीएससी सदस्या श्रीमती संगीता आर्य के सीकर आगमन पर राजस्थान राज्य भारत जिला मुख्यालय सीकर की ओर से स्वागत किया गया। इस अवसर पर बसंत कुमार लाटा सी.ओ. स्काउट सीकर, प्रियंका कुमारी सी.ओ. गाइड सीकर, रामलाल चौधरी सचिव स्थानीय संघ दांता, किशनलाल सियाक सचिव स्थानीय संघ शिवसिंहपुरा, हरीशचंद्र वर्मा सचिव स्थानीय संघ रामगढ़ शेखावाटी व अन्य पदाधिकारीगणों ने मल्यार्पण कर स्वागत किया।

इस अवसर पर श्री निरंजन आर्य ने सीकर के ऑर्गेनाइजर एवं सचिव व पदाधिकारी से सक्रिय व निष्क्रिय ग्रुपों के बारे में, सीकर जिले की स्काउटिंग गाइडिंग के बारे में एवं समाज सेवा सामुदायिक सेवा पर चर्चा की। श्री आर्य ने सभी स्काउट गाइड को अच्छी गतिविधि करने, समाज को अधिक से अधिक सहयोग प्रदान करने के लिए, राजस्थान विधानसभा चुनाव में सीकर जिले के 4000 से अधिक स्काउट गाइड द्वारा दिव्यांग एवं वृद्धजनों के मित्र के रूप में सहयोग प्रदान करने के लिए सभी पदाधिकारी एवं स्काउटर, गाइडर, रोवर, रेंजर को धन्यवाद दिया। बेलगांव कर्नाटक में आयोजित राष्ट्रीय रोवर रेंजर कार्निवल में प्रथम स्थान पर रहने वाले राजस्थान दल एवं सीकर जिले के रोवर रेंजर्स व रोवर लीडर को बधाई दी।

> **सभी स्काउट गाइड सक्रियता के साथ कार्य करें।**
> **-निरंजन आर्य**

विशेष

भरतपुर संभाग समीक्षा बैठक

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, मण्डल मुख्यालय, भरतपुर पर 8 जनवरी को संभाग के ऑर्गेनाइजर्स की समीक्षा बैठक राज्य मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुई।

राज्य मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य ने अपने उद्‌बोधन में जो लक्ष्य आवंटित किये जाते हैं उनकी शत प्रतिशत उपलब्धि इसी सत्र में अनिवार्य रूप से पूर्ण करने के लिए सभी सी.ओ. स्काउट व गाइड को निर्देश प्रदान कर सक्रियता से कार्य करने के लिए सचेत किया।

डॉ. अखिल शुक्ला ने स्काउट गाइड गतिविधियों को समाजोपयोगी बताकर समस्त शिक्षण संस्थाओं में यूनिट संचालन की आवश्यकता बताई तथा इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए सभी सीओ स्काउट व गाइड को हिदायत दी कि वे शिक्षण संस्थाओं में सम्पर्क एवं समन्वय के साथ कार्य को विस्तार दें।

पूरणसिंह शेखावत राज्य संगठन आयुक्त स्काउट ने मण्डल भरतपुर के जिला भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर को आवंटित लक्ष्यों की कमी को आगामी 03 माह में शत प्रतिशत लक्ष्यों-पूर्ति अर्जित करने के लिए निर्देशित किया।

उक्त संगोष्ठी में सहायक स्टेट कमिश्नर श्री आलोक शर्मा व सहायक स्टेट कमिश्नर श्री प्रदीप शर्मा ने भी संगठन के विकास एवं विस्तार संबंधी अपने विचार प्रकट किए।

बैठक में सहायक राज्य संगठन आयुक्तस्काउट रामजस लिखाला ने मण्डल भरतपुर के संख्यात्मक व गुणात्मक वृद्धि के आवंटित लक्ष्यों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। तत्पश्चात सी.ओ स्काउट व गाइड ने जिलेवार उपलब्धियों का विवरण पी.पी.टी द्वारा प्रस्तुत किया।

एशिया पेसिफिक रीजन की कार्यशाला

विश्व स्काउट संगठन के मार्गदर्शन में प.बंगाल के गंगानगर स्काउट गाइड प्रशिक्षण केंद्र पर एशिया पेसिफिक रीजन की कार्यशाला आयोजित हुई।

इस आयोजन में देश भर से 24रोवर, रेंजर, स्काउटर, गाइडर का चयन किया गया। रोवर लीडर प्रेम गंभीर ने बताया कि पूरे राजस्थान से गंगानगर के एकमात्र रोवर यतिन वर्मा का चयन निश्चय ही हम लोगों के लिए अत्यंत गर्व की बात है।

इस वर्कशाप का उद्देश्य स्काउटिंग से जुड़े युवाओं के विकास व गुणात्मक वृद्धि की योजना तैयार करना जिससे स्काउटिंग से जुड़े युवाओं का बहुमुखी विकास हो सके, था। युवाओं को समाज व देश के लिए सक्रिय नागरिक बनाने में सक्षम हो। कार्यशाला में कब, बुलबुल, स्काउट, गाइड, रोवर, रेंजर की चुनौतियों को पहचान कर उनके 21वीं शताब्दी की आवश्यकता, स्किल विकास में वर्तमान रुझान, वर्तमान परिप्रेक्ष्य में शिक्षा की आवश्यकता व नई शिक्षा नीति पर सुझाव दिए गए।

कार्यशाला के संयोजक मधुसूदन अवाला डिप्टी इंटरनेशनल कमिश्नर स्काउट थे। प्रशिक्षण टीम में एशिया पेसिफिक रीजन से एस प्रसन्ना श्रीवास्तव, सिड कैस्टिलो, एंड्रिया चकमा (कनाडा) कोलेट स्टोन (यूके) राष्ट्रीय मुख्यालय से अमर छेत्री संयुक्त निदेशक, दर्शना पावस्कर संयुक्त निदेशक गाइड, निदेशक राजकुमार कौशिक, मुख्य राष्ट्रीय आयुक्त के. के. खंडेलवाल भी उपस्थित रहे।

सी.ओ. स्काउट इन्दराज सुथार, सी.ओ. गाइड मोनिका यादव, जिला प्रशिक्षण कमिश्नर शशि कुमार शर्मा, अध्यक्ष विनोद गोयल, अध्यक्ष बलदेव नागपाल, सचिव रामकुमार स्वामी, गोपी नागपाल स्काउटर, गाइडर ने यतिन को बधाई दी।

नेशनल लेवल रोवर/रेंजर कार्निवाल

बेलीगॉवी (कर्नाटक)

21 से 25 दिसम्बर, 2023

भारत स्काउट व गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली के तत्वावधान में नेशनल लेवल रोवर रेंजर कार्निवल दिनांक 21 से 25 दिसंबर 2023 तक जैन हेरीटेज स्कूल बेलीगांवी, कर्नाटक में आयोजित हुआ।

राजस्थान प्रदेश सहित 16 राज्यों के 800 से अधिक रोवर रेंजर लीडर्स व स्टाफ ने सहभागिता की। कार्निवाल का मुख्य उद्देश्य स्काउट गाइड जंबूरी के अनुसार रोवर्स रेंजर्स को एक दूसरे राज्य की संस्कृति, भौगोलिकता, ऐतिहासिक धरोहर, रहन–सहन, खानपान, शिक्षा एवं स्काउट गाइड गतिविधियों से रूबरू होने का अवसर प्रदान करना था। कार्निवल में कैम्प क्राफ्ट, फूड प्लाजा, प्रदर्शनी, लोक नृत्य, पारंपरिक फैशन शो, राज्य का प्रदर्शन, यूथ फॉरम क्विज प्रतियोगिता इत्यादि का आयोजन किया गया।

राजस्थान प्रदेश से 65 रोवर्स, रेंजर्स, लीडर्स व स्टाफ ने सहभागिता की।

ओवर-ऑल परफॉर्मेंस -

राजस्थान – प्रथम,
कर्नाटका – द्वितीय,
हरियाणा – तृतीय

राजस्थान –

1.	कैंप क्राफ्ट	– प्रथम
2.	फूड प्लाजा	– प्रथम
3.	स्टेट प्रदर्शनी	– प्रथम
4.	स्टेट प्रदर्शनी	– प्रथम
5.	फॉक डांस	– प्रथम
6.	ट्रेडिशनल रेम्प वॉक	– द्वितीय
7.	यूथ फोरम	– तृतीय

स्टाफ सदस्य -

श्री एल.आर. शर्मा –	सर्कल ऑर्गेनाइजर (स्काउट) राज्य मुख्यालय, जयपुर
श्रीमती कल्पना शर्मा –	सर्कल ऑर्गेनाइजर (गाइड) जिला मुख्यालय, अलवर
श्री बृजसुन्दर मीणा –	सर्कल ऑर्गेनाइजर (स्काउट) मण्डल मुख्यालय, कोटा
श्रीमती सुनिता मीना –	सर्कल ऑर्गेनाइजर (गाइड) जिला मुख्यालय, बारां

राजस्थान प्रदेश ने प्रतियोगिताओ में प्रथम स्थान प्राप्त कर ओवर ऑल परफॉर्मेंस की शील्ड प्राप्त की। अन्य प्रतियोगिताओ में राजस्थान दल ने ए ग्रेड प्राप्त किया। इसके साथ ही सभी संभागीय को ISRO के संयुक्त निदेशक द्वारा चंद्रयान के परीक्षण एवं सेंटर की अन्य जानकारी से रूबरू कराया गया। योग, बीपी सिक्स व्यायाम व ध्यान योग की जानकारी दी गई। रोवर्स रेंजर्स को मराठी रेजीमेंट ट्रेनिंग सेंटर का भ्रमण कराया, जिससे रोवर्स व रेंजर्स को आर्मी में भर्ती होने की जानकारी प्राप्त हुई। संभागियों द्वारा राष्ट्रीय एकता रूट मार्च, वृक्षारोपण एवं सेवा कार्य के माध्यम से श्रमदान करवाया गया।

शिविर के उद्घाटन में स्थानीय विधायक श्री एन एच को कारेड्डी, वैज्ञानिक एवं सहायक निदेशक ISRO बैंगलुरु श्री अभय बी पाटिल एवं डॉक्टर बी एन एम द्वारकेश, स्टेट चीफ कमिश्नर कर्नाटक राज्य भारत स्काउट व गाइड श्री पी जी आर सिंधिया उपस्थित रहे। शिविर का संचालन उपनिदेशक गर्ल गाइड प्रोग्राम राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली श्रीमती सुरेखा श्रीवास्तव द्वारा किया गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि मिनिस्टर ऑफ माइनर साइंस एंड टेक्नोलॉजी कर्नाटक श्री एन एस बोसराजू रहे। साथ में विशिष्ट अतिथि के रूप में आर्मी इंस्ट्रेक्टर मराठा रेजीमेंट बेलीगांवी श्री अभिषेक ने सहभागिता की। सभी कार्यक्रमों में राजस्थान प्रदेश की सहभागिता प्रशंसनीय रही।

निपुण, राज्य व राष्ट्रपति प्रशिक्षण शिविर

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, मंडल मुख्यालय, जयपुर के तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय निपुण रेंजर प्रशिक्षण शिविर, राज्य पुरस्कार व राष्ट्रपति गाइड व रेंजर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन दिनांक 4 से 8 दिसंबर 2023 तक किया गया।

उक्त शिविर में जयपुर जिला क्षेत्र के विभिन्न विद्यालय व महाविद्यालयों से गाइड व रेंजर्स ने सहभागिता की। शिविर के दौरान संभागियों को आपदा प्रबंधन की दक्ष टीम द्वारा आपातकालीन स्थिति में बचाव के उपाय, आग से बचाव के उपाय व प्राकृतिक आपदाओं में कैसे सुरक्षा की जाए आदि का विशेष प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। शिविर में भवानी निकेतन महिला महाविद्यालय, राजकीय महाविद्यालय, सुबोध पीजी कॉलेज, आर एल सहरिया कालाडेरा कॉलेज चौमूं, एस एस जी पारिक पीजी गर्ल्स कॉलेज चौमू व अन्य महाविद्यालयों से विभिन्न रेंजर द्वारा सहभागिता की गई।

कब बुलबुल शिविर

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, जोधपुर के तत्वावधान में कब बुलबुल व स्काउट गाइड जांच शिविर का आयोजन प्रशिक्षण केन्द्र, चौपासनी में किया गया। इस शिविर में सी.ओ. गाइड निशु कंवर ने बताया कि उनकी हीरक पंख व चतुर्थ चरण तक की जांच की गई। गाइड स्काउट की तृतीय सोपान तक की जांच की गई जिसमें कि पायनियरिंग प्रोजेक्ट, आपदा, गांठे, लेसिंग, स्काउटिंग गाइडिंग का इतिहास के बारे में जांच की गई। इसके बाद सभी संभागों को बालाजी मंदिर तक की पैदल हाइक करवाई गई। इस अवसर पर छतर सिंह जी सी.ओ. स्काउट भी उपस्थित थे।

WAGGGS WORKSHOP

जोधपुर में आयोजित राज्य पुरस्कार जांच शिविर में भाग लेने के उपरांत कमला नेहरू महिला महाविद्यालय, जोधपुर की रेंजर्स को WAGGGS जिसका पूरा नाम वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ गर्ल गाइड एंड गर्ल स्काउट है जो कि लंदन में स्थापित है, के बारे में जानकारी दी गई। बालिकाओं को बताया गया कि इसकी स्थापना कब कहां और क्यों हुई। WAGGGS के कितने केंद्र हैं और वह केन्द्र कहाँ–कहाँ पर स्थापित है। WAGGGS किन–किन सर्विस प्रोजेक्ट पर कार्य करता है और वैग्स का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण और महिलाओं की शिक्षा को आगे बढ़ाना है।

WAGGGS के मिशन और विजन पर बात करते हुए सी.ओ. गाइड निशु कंवर ने सभी रेंजर्स को WAGGGS के प्रोजेक्ट में अधिक से अधिक कार्य करने की जानकारी प्रदान की इस अवसर पर सीनियर रेंजर मेट कृष्णा राजपुरोहित ने भी WAGGGS के 5 सेंटर्स के बारे में रेंजर्स को जानकारी देते हुए उनके नाम बताएं तथा उनके स्थापना दिवस व उनके द्वारा की जाने वाली गतिविधियों के बारे में जानकारी प्रदान की। यह भी बताया कि WAGGGS एक सेंटर भारत में संगम पुणे महाराष्ट्र में स्थापित है, जिसमें विभिन्न प्रकार की अंतर्राष्ट्रीय गतिविधियों का आयोजन समय–समय पर किया जाता है।

प्रकृति अध्ययन शिविर, जिला बारां

''स्काउट एंड गाइड एक ऐसी गतिविधि है जो बच्चों में सभी प्रकार के सद्गुणों को उभार कर सामने लाती है और उसे देश सेवा के लिए एक अच्छा नागरिक तैयार करती है। हम सब की जिम्मेदारी है कि हम सभी मिलकर अपनी अपनी जिम्मेदारी पूरी करते रहें और देश की सेवा में लगे रहे।'' ये विचार अंता मांगरोल विधानसभा क्षेत्र से विधायक श्री कंवर लाल मीणा ने भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, बारां द्वारा 31 दिसम्बर से 2 जनवरी, 2024 तक आयोजित तीन दिवसीय प्रकृति अध्ययन शिविर के उद्घाटन पर व्यक्त किए।

अध्यक्षता करते हुए अटरू बारां विधानसभा क्षेत्र के विधायक राधेश्याम बैरवा ने कहा कि ''इस तरह के शिविर से बच्चों में राष्ट्रीयता की भावना जागृत होती है।''

सर्कल ऑर्गेनाइजर प्रदीप चित्तौड़ा ने अतिथियों का स्कार्फ पहना कर एवं सर्कल ऑर्गेनाइजर गाइड सुनिता मीना के नेतृत्व में गाइड्स ने रोली चावल से स्वागत किया। इसके उपरांत जिला कमिश्नर पियूष कुमार शर्मा ने सभी अतिथियों का शाब्दिक स्वागत करते हुए स्काउट की गुणात्मक सेवा और उसके महत्व से परिचित कराया। प्रदीप चित्तौड़ा ने प्रकृति अध्यन शिविर में होने वाली गतिविधियों की जानकारी प्रदान की। तत्पश्चात शिविर की शुरुआत प्रार्थना से हुई तथा सहभागी स्काउट्स को हरी झंडी दिखाकर पर्यावरण संरक्षण जागृति के संदेश हेतु रवाना किया गया। समारोह में कंवर लाल मीणा और राधेश्याम बैरवा सहित पूर्व जिला प्रमुख नंदलाल सुमन, भारतीय जनता पार्टी के जिला मंत्री प्रशांत विजयवर्गीय, शहर अध्यक्ष महावीर नामा, पूर्व पंचायत समिति सदस्य जयेश गालव, पूर्व देहात मंडल अध्यक्ष हरीश नागर को स्कार्फ भेंट कर सम्मानित किया गया।

शिविर में सुप्रसिद्ध उद्योगपति और भामाशाह विष्णु कुमार साबू ने तीन दिवसीय प्रकृति अध्ययन शिविर में स्काउट्स को टी शर्ट, कैप और वाटर बोटल किट वितरण समारोह में सम्मिलित होकर अपने उद्बोधन में कहा कि प्रकृति संरक्षण और मानव संसाधन एक दूसरे के पूरक हैं। आज समाज में व्याप्त सभी घटनाओं के पीछे प्रकृति का अंधाधुंध दोहन करना रहा है। हमें समय पर सचेत होकर इसके संरक्षण और संवर्धन की जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने कहा कि शिविर में होने वाली विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिता में प्रथम स्थान, द्वितीय स्थान तथा तृतीय स्थान पर रहने वाले संभागियों को भारतीय सांस्कृतिक निधि वराह नगरी बारां अध्याय द्वारा पारितोषिक पुरस्कार दिए जायेंगे।

दूसरे सत्र के शुभारंभ पर मुख्य अतिथि विष्णु कुमार साबू को जिला कमिश्नर श्री शर्मा ने स्कार्फ पहना कर स्काउट की परंपरा अनुसार स्वागत किया। शिविर के दौरान पर्यावरण संरक्षण, पोस्टर प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। सत्र संचालन कब कमिश्नर अमजद युसूफी ने किया।

किट वितरण समारोह समाप्त होने के बाद सभी सदस्य रैली के रूप में स्काउट गाइड मुख्यालय से मनिहारा महादेव मंदिर कोटा रोड पर पहुंचे, जिसका नेतृत्व हेमंत सुमन और कमलेश मीणा ने किया। रैली में शामिल स्काउट ने देश भक्ति और पर्यावरण संरक्षण के अनेक नारे लगाए।

मनिहारा महादेव पहुंच कर पर्यावरण सत्र और विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। जिसमे रोवर लीडर महेश सेन और स्काउट मास्टर दिनेश सेन के नेतृत्व में पोस्टर, स्वच्छता और निबन्ध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। मनिहारा महादेव परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया, जिसके तहत प्लास्टिक और उसके बने कचरे को बीन कर उद्यान की साफ सफाई की गई। तत्पश्चात सभी सहभागियों को 'पुरातत्व' विषय पर भारतीय सांस्कृतिक निधि वराह नगरी बारां अध्याय के संयोजक जितेन्द्र कुमार शर्मा ने विस्तार से मूर्त और अमूर्त विरासतों के बारे में जानकारी दी। साथ ही उन्होंने ऐतिहासिक और पुरातात्विक धरोहरों की संरक्षा और सुरक्षा के बारे में बताया।

इंटैक सदस्य डॉ. मनोज कुमार सिंगोरिया ने प्रकृति संरक्षण और संवर्धन पर अपने व्याख्यान में सभी तथ्यों को समेटते हुए प्रकृति संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण पर विस्तार से जानकारी दी।

स्काउटिंग का महत्व और मूलभूत सिद्धान्त

कोई भी राष्ट्र उसके नागरिकों से सुदृढ़ बनता है। व्यक्ति से समाज एवं समाज से राष्ट्र का निर्माण होता है, तथा सुनागरिक ही राष्ट्र की असली निधि होती है। सुनागरिकता के लिए स्काउटिंग एक अहम आन्दोलन है।

चरित्र :

व्यक्ति का चारित्रिक विकास सुनागरिकता की पहली कड़ी है। स्काउटिंग प्रवृत्ति में कब/बुलबुल, स्काउट/गाइड, रोवर/रेंजर सभी स्तरों पर समय–समय पर पेट्रोल दल पद्धति, शिविर, सम्मेलन, मूट/मीट आदि के द्वारा चारित्रिक विशेषताओं का प्रादुर्भाव व विकास कराया जाता है। चरित्र के विकास का कार्य स्काउटिंग की प्रथम कड़ी है जो सुनागरिकता का आधार है।

चारित्रिक विकास तभी हो सकता है जब व्यक्ति में आत्मसम्मान, व्यक्तित्व, आत्मशिक्षण, साहस, बुद्धिमानी, भौतिक, मानसिक एवं उत्तरदायित्व की भावना का विकास, कर्तव्यनिष्ठा, समय की पाबन्दी आदि गुणों का समावेश हो जाता है।

देशभक्ति :

प्रत्येक नागरिक जो किसी भी राष्ट्र का अभिन्न अंग है, में अपने देश, धरती और समाज के प्रति स्वामिभक्ति, देशभक्ति होना नितांत आवश्यक है। इस कड़ी में प्रत्येक स्काउट को एक मनका बनकर वृहत् माला को साकार सम्पूर्ण रूप प्रदान करता है।

अनुशासन :

दिये गये कार्यों को निश्चित तरीके से विहित नियमों के अधीन रहकर सम्पादन करे, उसे अनुशासन कहते हैं। अनुशासित जीवन कार्यों के सम्पादन, परीक्षण एवं निस्तारण हेतु अत्यन्त आवश्यक है। टोली विधि से व्यक्तिगत और सामूहिक प्रशिक्षण, लीडर द्वारा मार्गदर्शित कार्य करना स्काउट आन्दोलन की जान कही जाती है, जो अन्त में अनुशासित सुनागरिक बनाने में मदद करती है।

कर्तव्यनिष्ठा :

कर्तव्य के प्रति जागरूकता, निष्ठा, सद्भाव तथा सुरूचि होना अत्यन्त आवश्यक है। आदेशों की यथानुरूप पालना करना ही कर्तव्यपरायणता है। जो भी कार्य जिस किसी भी परिस्थिति में करने हेतु प्राप्त हुआ है। उसका पालन करना ही श्रेयस्कर है। स्काउंटिग कर्त्तव्य के प्रति रूचि जाग्रत करने और उपयोगी कार्यों को करने का विशिष्ट प्रशिक्षण प्रदान करती है ताकि भावी जीवन में अपने कार्यों के सफल संचालन द्वारा समाज और राष्ट्र विकास में अपना योगदान दे सके।

शारीरिक और बौद्धिक विकास :

स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क होता है और निरोग काया ही सफलता, प्रसन्नता तथा सक्रियता की कुंजी है। शारीरिक सबलता के बिना कठिन परिश्रम सम्भव नहीं और बिना कठोर परिश्रम के सफलता प्राप्त नहीं होती है। इतना ही नहीं वरन् डूबते हुए को बचाना, अग्निशमन, बाढ़ में फँसे हुए व्यक्तियों को निकालना आदि कार्य की कुशलता पर तो निर्भर करते ही हैं किन्तु स्वस्थ शरीर भी इसके लिए एक अत्यन्त आवश्यक अर्हता है। इन सभी प्रशिक्षण के लिए स्काउटिंग में खेलकूद, पी.टी, ट्रेकिंग, पर्वतारोहण, हाइकिंग, किमगेम आदि द्वारा पूर्ण व्यावहारिक ज्ञान प्रदान कराया जाता है। अतः शारीरिक क्षमता भी इसका आधार है।

इसके अलावा बौद्धिक विकास भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना भौतिक विकास। स्काउटिंग के माध्यम से व्याख्यान, संगोष्ठी, वाद–विवाद, भ्रमण (स्थानीय क्षेत्रीय अन्तःक्षेत्रीय), सम्पर्क, भाषण इत्यादि का आयोजन कर प्रत्येक सदस्य को मानसिक रूप से तैयार किया जाता है।

कला :

प्रत्येक कार्य को पूर्ण करने हेतु कला की आवश्यकता होती है। कला का विकास कार्य करने और कार्य के प्रति रूचि जाग्रत करने पर ही संभव है। हर दिन हर कार्य समझ–बूझकर करना ही श्रेयस्कर है अन्यथा कार्य के अपूर्ण रहने, बिगड़ने, असफल होने का पूर्ण अंदेशा रहता है। स्काउटिंग आन्दोलन एक ऐसी विधा है जिसके द्वारा जम्बूरी, साहसिक कार्यक्रम, राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों में योगदान, पेट्रोल (टोली) या दल पद्धति से कार्य करना सभी से निपुणता, प्रवीणता एवं कुशलता प्राप्त होती है। गेजेट्स निर्माण, पायोनियरिंग, स्वपाक विधि, मार्गदर्शिका, शिविर कला आदि कला व कुशलता के सुन्दर सोपान है।

स्वामिभक्ति :

कोई भी कार्य हो या व्यक्ति हो उसके प्रति पूर्ण निष्ठा तथा समर्पण ही साधक के लिए सर्वोपरि है। यदि वह पूर्ण निष्ठा से कार्य में तल्लीन नहीं होगा तो अवश्य उसे सम्बल प्राप्त नहीं होगा और न ही कार्य के प्रति रूचि जागृत होगी। चेतक की महाराणा प्रताप के प्रति, भामाशाह की महाराणा के प्रति, जयमल और पत्ता की चित्तौड़ के राणा के प्रति स्वामिभक्ति के अनुपम उदाहरण है, जिन्होंने अपने मालिक के प्रति पूर्ण स्वामिभक्ति का परिचय दिया। स्वामिभक्ति, देशभक्ति आदि गुणों का विकास स्काउटिंग टोली विधि से करती है व टोली के सदस्यों में भाव पैदा कर इन सदगुणों का प्रादुर्भाव करती है।

अतः उक्त बिन्दुओं को ध्यान में रखते हुए क्रमशः मूलभूत सिद्धान्तों की अग्रिम पंक्तियों में व्याख्या सम्मिलित है।

1. ईश्वर/धर्म के प्रति कर्त्तव्य :

सूर्य समय पर हर रोज पूर्व में लालिमा के साथ उदय होता है तथा पश्चिम में समयानुकूल अस्त होता है।

समय पर ऋतु परिवर्तन होता है। चन्द्रदर्शन, चन्द्रकलायें, तारामण्डल का आविर्भाव, हैली पुच्छल तारे का प्रति 76 वर्ष बाद दिखाई देना आदि ये सब किसी अदृश्य शक्ति के निर्देशों का पालन कर रहे है। क्यों ये समय पर दृष्टव्य होते है? कैसे इनकी उपस्थिति समय से ओझल हो जाती है। ये सब उस सर्वशक्तिमान परमात्मा का अपना संसार है जिसका वह नियामक है। दृष्टा है, सर्वहारा है और पालनहारा है। यह उसका प्रथम मूलभूत सिद्धान्त है।

2. देश के प्रति निष्ठा :

प्रत्येक नागरिक को अपने देश के प्रति आस्थावान, निष्ठावान तथा देशभक्त होना चाहिए। स्काउट आन्दोलन देश सेवा के प्रति कटिबद्ध नवयुवकों का अंबार लगाता है तथा देशभक्त प्रौढ़ों का निर्माण करने की नर्सरी है। इसके लिए हमें पूर्ण प्रोत्साहन देने की कोशिश करनी चाहिए ताकि देशभक्त नौजवानों से देश पूरित रहे।

3. विश्व मैत्री और विश्व बन्धुत्व में विश्वास :

स्काउटिंग सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार मानकर चलती है। ''वसुधैव कुटुम्बकम्'' की उक्ति सही रूप में चरितार्थ कर हर देश के नागरिक को स्काउट के रूप में दूसरे देश का स्काउट अपनत्व, सद्भाव, सदाचार, आदर, सहयोग के साथ स्वीकार करता है। स्काउट आन्दोलन में जाति, धर्म, देश, सम्प्रदाय आदि की सीमाबद्ध बन्धन नहीं दिखाई देती है न कोई रंग–भेद और प्रांतीय भेद ही इसकी परिधि को छूता है। हमारा मूल मंत्र रहा है– सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया। सर्वे भद्राणी पश्यन्तु, मा कश्चित् दुख भाग् भवेत्।। संसार में सभी के लिए प्रसन्नता, कल्याण, सुख समृद्धि आदि की इच्छा रखते हुए स्काउट आन्दोलन अपना अन्तर्राष्ट्रीय स्वरूप रखे हुई है।

4. स्काउट नियम और प्रतिज्ञा में अभिव्यक्त आदर्शों की स्वीकृति व क्रियान्विति

मानव मात्र को संसार सागर में सम्बल प्रदान करने, सुखी और संयमी जीवन का अनुसरण करने तथा जीवन प्रसन्नता से जीकर सफल जीवन यात्रा पूर्ण करने के लिए निहित सभी उपदेश और जीवन दर्शन की मार्मिक भावनाएँ स्काउट प्रतिज्ञाओं और नियमों में विद्यमान है। अतः इन सभी आदर्शों, देश, समाज, परिवार, एवं विश्व के प्रति समर्पित भावना आदि के कार्य करना ही स्काउट आन्दोलन का आधारभूत ढांचा और उनकी स्थापना स्वीकारोक्ति तथा जीवन में क्रियान्विति ही सुखी जीवन की यात्रा के लिए उपयोगी तत्व है।

5. स्वैच्छिक सदस्यता :

बेडेन पावेल स्काउटिंग के जन्मदाता ने लिखा है कि स्काउटिंग बाहर से प्राप्त करने की वस्तु नहीं है। वरन् यह स्वयं की अन्तरात्मा से उद्भूत अनुभूति का ही रूप है। व्यक्ति खुद इच्छा से इसकी सदस्यता ग्रहण करता है तथा स्वेच्छा से ही सारे कार्य स्काउट नियमों के अन्तर्गत सम्पन करता है। परिणामतः बाहरी दबाव का अनुभव किये बिना व्यक्ति स्वेच्छा एवं स्वशासन से निर्भयता पूर्वक समाज के उत्थान तथा मानवमात्र के कल्याण के लिए कार्य करता है।

6. गैर-राजनैतिक संगठन :

यह संगठन गैर–राजनैतिक है। सदस्यता सभी के लिए खुली हुई है। अपनी हॉबी के अनुसार प्रवेश से प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। अतः इस आन्दोलन का स्वरूप राजनीति से प्रेरित न होकर विश्व बन्धुत्व, प्रेम और भ्रातृत्व से पूरित है।

7. आत्म-शिक्षण करके सीखना :

स्काउट आन्दोलन का उद्देश्य नवयुवकों की भौतिक, शारीरिक, बौद्धिक, सामाजिक, आध्यात्मिक और सदाचार सम्बन्धी उन्नति करना तथा उसे सुनागरिकता से सुदृढ़ धरातल पर आसीन करना ताकि वह इस विश्व मैत्री संगठन का सही सदस्य होने का दावा कर सके। स्काउटिंग आत्मशिक्षण का अवसर प्रदान करते हुए प्रत्येक कार्य को अपने हाथ से करके सीखने का अवसर देती है। इसीलिए स्काउट/गाइड जीवन यात्रा को सफल ढंग से पूर्ण कर लेते हैं।

8. दूसरों की सेवा :

बाढ़ नियन्त्रण, बाढ़ पीडितों की सहायता, अकाल पीड़ितों की सहायता, प्राथमिक उपचार, अस्पताल में मरीज सेवा, प्रौढ़ शिक्षा, उत्सवों–मेलों, सम्मेलनों, समारोहों में सेवा आदि ईश्वर के प्रति अपना कर्तव्य समझकर स्काउट करता है वही 'सेवा' है और इस प्रकार मानव की मानवता के प्रति सही दिल से की गई सेवा ही सच्ची सेवा है।

9. किशोरों और युवावर्ग का उत्तरदायी नागरिक बनाने का अनुपम

कार्यक्रम (जिसका आधार है पेट्रोल (टोली) और ग्रुप (दल) पद्धति, क्रमिक प्रशिक्षण दक्षता के बैज और खुली हवा व बाहरी जीवन की प्रवृत्तियाँ।

स्काउट प्रशिक्षण विकासशील और खुली हवा में जीवन व्यतीत कर जीवन–यात्रा के प्रति अपने आपको प्रस्तुत या अग्रसर करना है। प्रारंभिक अवस्था में प्रशिक्षण का स्तर प्राप्ता की दृष्टि से बनाया गया है। किशोर अपना ''भरसक प्रयत्न'' करता है ताकि प्रशिक्षण में अग्रणी रहे। किन्तु ज्योंही स्काउट प्रशिक्षण पूर्ण करता है और ''तैयार रहो'' के मानसपटल पर भाव जाग्रत होते है। अन्ततोगत्वा 'सेवा' का पथ अग्रसर होता है जो स्काउट आन्दोलन का चरम बिन्दु है। यहीं से स्काउट प्राप्ता की अपेक्षा देने वाला या दाता; सेवा देने वाला बन जाता है तथा समाजोपयोगी कार्यों में जुट जाता है।

स्काउटिंग में पेट्रोल पद्धति/दल पद्धति में व्यक्तित्व का विकास, भौतिक, मानसिक, आध्यात्मिक विकास ही नहीं होता है वरन् वह समूह में रहना, कार्य करना, एक–दूसरे की भावनाओं का आदर करना, एक–दूसरे के दुख–दर्द को समझना और आपसी मेल–जोल की भी सतत प्रवाहिनी सरिता का प्रवाह प्राप्त होता है जो जीवन यात्रा को सफल बनाने, प्रसन्न जीवन जीने, और सेवा कार्य को लगन से करने हेतु प्रेरित होता है।

इन उपरोक्त मूलभूत सिद्धान्तों पर आधारित स्काउट आन्दोलन विश्वमैत्री, विश्वबन्धुत्व पर आधारित सेवाभावी संस्था है।

गतिविधि दर्पण

प्रदेश में विभिन्न स्तरों पर आयोजित शिविरों, गतिविधियों इत्यादि की संक्षिप्त रिपोर्ट

भरतपुर मण्डल

भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, भरतपुर के तत्वावधान में जिला स्तरीय राज्य पुरस्कार स्काउट द्वितीय अनुशंषा शिविर का आयोजन 27 से 29 दिसंबर 2023 तक मण्डल मुख्यालय, भरतपुर पर किया गया। मुख्य परीक्षक

बलराज सिंह ए.एल.टी. स्काउट के नेतृत्व में शिविर का संचालन देवेन्द्र कुमार मीना सी.ओ स्काउट द्वारा किया गया। इस शिविर में 72 स्काउट ने भाग लिया।

भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, भरतपुर के तत्वावधान में 05 जनवरी 2024 को एक दिवसीय सामुदायिक विकास सेमिनार का आयोजन सहायक स्टेट कमिश्नर प्रदीप कुमार शर्मा की अध्यक्षता एवं अग्रज स्काउट लीडर जगदीश

उपमन के मुख्य आतिथ्य में किया गया। इस अवसर पर सहायक स्टेट कमिश्नर का सेमिनार की ओर से सहायक राज्य संगठन आयुक्त स्काउट रामजस लिखाला ने स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया। सेमिनार में सी.ओ स्काउट देवेन्द्र कुमार मीना ने प्रधानमंत्री शील्ड, उपराष्ट्रपति अवार्ड पाठ्यक्रम की जानकारी देकर लॉग तैयार करने की प्रक्रिया से अवगत करवाया। सी.ओ गाइड सीमा रिजवी ने लक्ष्मी मजूमदार अवार्ड तथा राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय गतिविधियों की जानकारी देकर सहभागिता हेतु प्रेरित किया। उक्त सेमिनार में जिला भरतपुर के 30 स्काउट गाइड रोवर रेंजर यूनिट लीडर एवं वरिष्ठ स्काउट गाइड एवं रोवर रेंजर ने भाग लिया।

बीकानेर मण्डल

भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, बीदासर, जिला चूरू के तत्वावधान में 4 जनवरी, 2024 को राज्य मुख्यालय के आदेशानुसार जम्बूरी दिवस मनाया गया। इस मौके पर उपखण्ड अधिकारी बीदासर, तहसीलदार बीदासर, विकास अधिकारी बीदासर, दिनेश कुमावत कृषि अधिकारी बीदासर

संदीप व्यास (प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर) एवं मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी बीदासर, चरण सिंह घोटड़ अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी बीदासर, सहायक जिला कमिश्नर हेमराज, डॉ. सरदार सिंह रेवाड़ संयोजक भारत संकल्प यात्रा बीदासर, संजय कुमार सरपंच सांडवा, यमुना शर्मा प्रधानाचार्य एमजीजीएस सांडवा, विजय श्री प्रधानाचार्य राउमावि भाटोलाई सांडवा, ईश्वर सिंह व्याख्याता,रामदेवाराम व्याख्याता, भवानी शंकर मारु व्याख्याता, संजय नाई स्काउट मास्टर दुकर नेमीचंद बेनीवाल, मामराज शारीरिक शिक्षक आशुराम, प्रकाश कुमार सचिव स्थानीय संघ बीदासर, विमल कुमार शर्मा कोषाध्यक्ष स्थानीय संघ बीदासर, उपखण्ड अधिकारी की अध्यक्षता में प्रथम जम्बूरी दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मंच संचालन श्री सुरेश कुमार जानूं धापू देवी चोरड़िया राबाउमावि बीदासर ने किया। कार्यक्रम में स्काउट गाइड एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

जयपुर मण्डल

भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के तत्वावधान में तीन दिवसीय राज्य पुरस्कार स्काउट रेंजर अभिशंसा शिविर आयोजित हुआ। सी.ओ. स्काउट बसंत कुमार लाटा एवं सी.ओ. गाइड सुश्री प्रियंका कुमारी खीचड़ ने बताया कि प्रथम दिवस स्काउट एवं रेंजर का रजिस्ट्रेशन कर टोलियों का बंटवारा किया गया। मुख्य परीक्षक एएलटी

स्काउट रामलाल चौधरी द्वारा स्काउट्स को शिविर के नियम, आवास व्यवस्था एवं अन्य उपयोगी जानकारी दी गई। प्रथम दिन पोशाक की जांच एवं विभिन्न विषयों पर आधारित लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया। सी.ओ. गाइड प्रियंका कुमारी ने स्थानीय क्षेत्र की जानकारी देते हुए प्रथम दिवस कार्यक्रम एवं अन्य उपयोगी जानकारी दी। इस मौके पर स्थानीय संघ शिवसिंहपुरा के सचिव किशन लाल सियाग, पलसाना सचिव पवन कुमार शर्मा, रामगढ़ शेखावाटी सचिव हरिसिंह, सांवरमल छब्बरवाल, ओम प्रकाश रेगर, रेंजर लीडर नंदिरा परवीन, पूजा कुमावत, सर्विस रेंजर आरती द्वारा सहयोग किया गया।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला सीकर के स्काउट गाइड सदस्यों ने पल्स पोलियो अभियान में शानदार सेवा प्रदान की। जिला सीकर एवं नीमकाथाना के 18 स्थानीय संघ दांता, फतेहपुर, खंडेला, लक्ष्मणगढ़, नीमकाथाना, श्रीमाधोपुर, अजीतगढ़, धोद, सीकर, शिवसिंहपुरा, खाटू श्याम जी, थोई,

पाटन, पलसाना, खूड परिक्षेत्र में स्काउट गाइड रोवर रेंजर एवं अन्य पदाधिकारियों ने पल्स पोलियो अभियान में दिनांक 10 दिसंबर से 12 दिसंबर तक पल्स पोलियो बूथ पर एवं बूथ पर कार्यरत चिकित्सा विभाग एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ घर–घर जाकर दवा पिलाने में सहयोग प्रदान किया एवं अभियान का प्रचार प्रसार किया। अभियान में स्काउट गाइड सदस्यों की शानदार भूमिका रही।

- पुस्तकालय दिवस 2 दिसंबर को राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय माधोगढ़ ब्लॉक तूंगा, जिला जयपुर ग्रामीण का निरीक्षण राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद डॉक्टर टी शुभमंगला ने किया। विद्यालय की गाइड्स द्वारा मुख्य द्वार पर आयुक्त को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। प्रधानाचार्य शिव शंकर प्रजापति ने जानकारी दी कि विभाग द्वारा 2 दिसंबर को पुस्तकालय दिवस आयोजित करने के निर्देश प्राप्त हुए थे। इस अवसर पर बालिका विद्यालय माधोगढ़ का निरीक्षण समग्र शिक्षा की राज्य आयुक्त डॉ. टी शुभमंगला द्वारा किया गया। आयुक्त ने विद्यालय के प्रत्येक कक्षा कक्ष में बनाए गए बुक कॉर्नर, अखबार की कटिंग के फोल्डर, चुनाव पत्रिका, विद्यार्थियों द्वारा सामान्य ज्ञान की डायरी का संधारण, ग्रीष्मकालीन अभिरुचि शिविर में वाचनालय का आयोजन आदि पुस्तकालय से संबंधित नवाचारों की भूरि–भूरि प्रशंसा की। आयुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि इस विद्यालय द्वारा प्रत्येक कक्षा कक्षा का अलग नामकरण कर तदानुसार चित्र कृतियां तैयार करवाना अनुकरणीय पहल है। बालिकाओं को आज ही जीवन का लक्ष्य तय कर उस दिशा में मजबूत कदमों के साथ आगे बढ़ना है। आयुक्त ने पुस्तकों की संख्या और बढ़ाने के निर्देश प्रधानाचार्य को दिए। इस अवसर पर विद्यालय के डिजिटल कक्षा कक्ष में मिशन स्टार्ट कार्यक्रम एवं विद्यालय की डॉक्यूमेंट्री का भी लाइव प्रदर्शन किया गया। गाइड बालिकाओं ने एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के अंतर्गत असम का बिहू नृत्य प्रस्तुत किया।

- भारत स्काउट व गाइड एवं नेशनल ग्रीन कोर जिला सीकर व नीमकाथाना के तत्वावधान में 5 जनवरी 2024 को विश्व पक्षी दिवस पर पूरे जिले भर में शानदार कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। पक्षियों के लिए विभिन्न स्थानों पर घोसले लगाए गए, सर्दी को देखते हुए परिंडों में गर्म पानी भर गया, चुग्गा

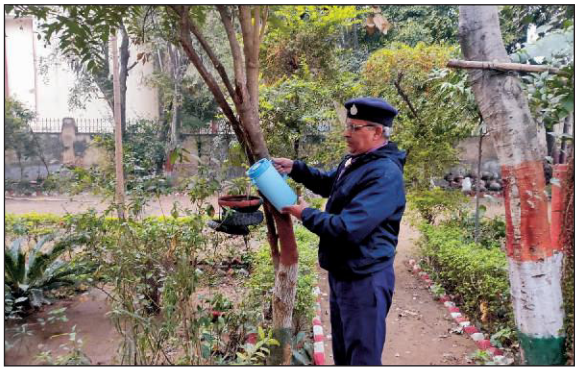

पात्र लगाए गए। पक्षी बचाओ संगोष्ठी आयोजित की गई। पक्षियों के पैरों से पतंग की डोर निकाल कर आसमान में उड़ने के लिए छोड़ा। स्थानीय संघ शिवसिंहपुरा के ग्राम कोलीड़ा मे सहायक सचिव अलिताब धोबी, स्काउट प्रभारी इरशाद, भगत सिंह ओपन रोवर क्रू के रोवर लीडर इमरान, आदिल खान व फरहान ने मिलकर पक्षियों के लिए पानी के परिंडे और चुग्गापात्र के लिए बने चबूतरे की साफ सफाई का कार्य किया।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, दौसा के तत्वावधान में स्काउटिंग के संस्थापक लॉर्ड बेडेन पावेल की 83 वीं पुण्यतिथि पर 8 जनवरी को जिला मुख्यालय, दौसा पर स्काउट, गाइड, रोवर, रेंजर्स द्वारा श्रंद्धाजलि अर्पित कर दो मिनट का मौन रखा गया। इस दौरान सी.ओ. स्काउट प्रदीप सिंह, गीजगढ़ स्थानीय संघ सचिव गोविंद नारायण तिवाड़ी, प्री ए.एल.टी. रामाअवतार शर्मा, रोवर लीडर विकास सैनी,

राष्ट्रपति रोवर योगेश कुमार गोठवाल, रोवर मेट नितेश मीना बिघौता, भरतलाल, दीपक मोहसिन, नितिन, कुलदीप आदि स्काउट–गाइड, रोवर–रेंजर्स उपस्थित रहे।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर पर 8 जनवरी को विश्व स्काउटिंग के संस्थापक लॉर्ड बेडेन पावेल की पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर बेडेन पावेल के कार्यों को याद किया गया एवं सभी स्काउट गाइड सदस्यों ने बसंत कुमार लाटा सी.ओ. स्काउट एवं प्रियंका कुमारी सी.ओ. गाइड के नेतृत्व में धूप, दीप एवं पुष्प अर्पित कर बेडेन पावेल को याद किया व श्रद्धांजलि अर्पित की। पक्षियों के लिए परिंडों को साफ कर उनमें ताजा पानी भरा एवं विभिन्न स्थानों पर श्रमदान का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम में

मरुधर ओपन रोवर क्रू के लीडर मोहनलाल सुखाड़िया, रोवर जयंत कुमार, प्रताप ओपन रोवर क्रू रींगस के रोवर राहुल शर्मा, मोटू सिंह, एसएनपीकेपी कॉलेज नीमकाथाना की रेंजर शीतल कंवर, मीना, राजकीय कला महाविद्यालय कटराथल के रोवर श्यामरथ, विजय काकड़वाल, रोवर्स सागर शर्मा सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

बेडेन पावेल की पुण्यतिथि पर स्थानीय संघ खाटू श्याम जी में प्रार्थना सभा व 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में स्थानीय संघ के प्रधान एडवोकेट जनार्दन शर्मा, प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर महेश कुमार, सचिव डॉ. मनोज शर्मा एवं अन्य गणमान्य नागरिक रोवर रेंजर स्काउट गाइड ने बी.पी. के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी व उनके जीवन पर विस्तार से जानकारी दी। स्थानीय संघ मुख्यालय रामगढ़ शेखावाटी पर महिपाल सिंह खीचड़ कोषाध्यक्ष स्थानीय संघ रामगढ़ शेखावाटी के नेतृत्व में लॉर्ड बेडेन पावेल की पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इसके साथ ही अन्य स्थानीय संघों, स्काउट गाइड ग्रुपों द्वारा भी बेडेन पावेल की पुण्यतिथि मना कर संस्थापक को याद किया गया।

जोधपुर मण्डल

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सिरोही द्वारा आयोजित तीन दिवसीय जिला स्तरीय प्रकृति अध्ययन शिविर स्काउट गाइड जिला मुख्यालय सिरोही में श्री महेंद्र मेवाड़ा सभापति नगर परिषद सिरोही के मुख्य आतिथ्य, श्री बाबूसिंह राजपुरोहित सहायक राज्य संगठन आयुक्त जोधपुर की अध्यक्षता और श्री गणपत सिंह देवड़ा पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी सिरोही के विशिष्ट आतिथ्य में प्रारम्भ हुआ। इस अवसर पर सभापति महोदय ने स्काउट गाइड जिला

मुख्यालय के लिए एक आर ओ भेंट करने की घोषणा की। सभापति महोदय पूर्व में 150 लीटर का वाटर कूलर भी भेंट कर चुके हैं। अतिथियों का स्वागत सी.ओ. स्काउट एम.आर. वर्मा ने किया। शिविर के द्वितीय दिवस पर वन विभाग की नर्सरी में सभी स्काउट गाइड एवं रोवर रेंजर ने विभिन्न किस्म के पेड़ पौधों की जानकारी प्राप्त की। शिविर के तीसरे दिन जिला मुख्यालय से पर्यावरण जन चेतना रैली निकाली गई जिसे श्री राजपुरोहित ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

शिविर में जिला स्तर से 55 स्काउट गाइड, रोवर रेंजर एवं 5 स्टाफ दल सहित 60 संभागियों ने भाग लिया।

कोटा मण्डल

- भारत स्काउट व गाइड, मंडल मुख्यालय, कोटा के तत्वावधान में अनुसूचित जाति जनजाति स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर, मंडल स्तरीय अनाथालय प्रशिक्षण शिविर, निःशक्तजन दिव्यांग शिविर का आयोजन किया गया। सी.ओ. स्काउट बृज सुन्दर मीणा ने बताया कि 5 दिसंबर 2023 से 9 दिसंबर 2023 तक 5 दिवस का प्रशिक्षण शिविर आयोजन किया गया। इस शिविर में बालक बालिकाओं को पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर में पायनियरिंग, कंपास, मैपिंग आदि की

जानकारी प्रदान की गई। सहा.राज्य संगठन आयुक्त दिलीप माथुर ने प्रशिक्षण शिविर में आकर संभागियों को स्काउट गाइड पोशाक वितरिता कर स्काउट गाइड गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित किया। शिविर संचालक गोपाल कृष्ण मिश्रा, रूपचंद शर्मा, नरेश चित्तौड़ा, दयाल सिंह, स्वदेश सिंह, सागर कुमार, प्रदीप मीना, शफक रजा आदि उपस्थित थे।

- बारां जिले में भारतीय सांस्कृतिक निधि वराह नगरी बारां अध्याय द्वारा रामगढ़ इंपैक्ट क्रेटर से लोगों को परिचित कराने और जन जागरूकता अभियान के प्रति जागृति लाने के अंतर्गत एक विरासत यात्रा का आयोजन बारां से रामगढ़ के लिए किया गया। भारतीय सांस्कृतिक निधि इंटैक चैप्टर के कन्वीनर जितेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि बारां रामगढ़ हेरिटेज वॉक में लगभग 70 सदस्य शामिल हुए, जो राजस्थान राज्य राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड के संयुक्त

तत्वावधान में एक हेरिटेज वॉक के रूप में बस द्वारा बारां से रामगढ़ केटर तक गये और वहां स्थित भंड देवरा मंदिर, वहां की पुरा संपदा, ऐतिहासिक धरोहर अन्नपूर्णा देवी और कृष्णाई देवी माता मंदिर के दर्शन, केलगिरी जी महाराज की गुफा, पुष्कर सरोवर तथा अन्य धरोहरों का अवलोकन किया। उन्होंने बताया कि यह हेरिटेज वॉक बारां से रामगढ़ के लिए रवाना हुई, जिसे जिला कलक्टर इंटैक के संरक्षक विष्णु साबू, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी पीयूष कुमार शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसमें बेसिक कोर्स में शामिल सभी सहभागी शामिल हुए, जिनका मांगरोल में मांगरोल के को–कन्वीनर के नेतृत्व में इंटेक सदस्यों द्वारा भव्य स्वागत भी किया गया।

उदयपुर मण्डल

- भारत स्काउट व गाइड, राजसमन्द जिले के स्काउट गाइड व रोवर रेन्जर का तीन दिवसीय प्रकृति अध्ययन शिविर का समापन भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, राजसमन्द के तत्वावधान में उच्च अधिकारियों के आतिथ्य में रंगारंग कार्यक्रम के साथ हुआ। सी.ओ.गाइड राजसमन्द अभिलाषा मिश्रा ने बताया कि शिक्षा विभाग राजसमन्द के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित प्रकृति अध्ययन शिविर के समापन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में प्राचार्य सेठ रंगलाल कॉलेज राजसमन्द की प्रो. सुमन बडोला थी। विशिष्ट अतिथि के रूप में अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक शिक्षा

राजसमन्द के शिव प्रसाद व्यास, स्थानीय संघ सचिव राजसमन्द के धर्मेन्द्र गुर्जर थे। स्थानीय संघ सचिव धर्मेन्द्र गुर्जर ने बताया कि शिविर में शिविरार्थियों को घने कोहरे में मावली मारवाड ट्रेन से कांकरोली से गोरमघाट का भ्रमण कराया एवं वहां सुहानी वादियों में प्रकृति का अध्ययन करा प्रकृति के महत्व को समझने के साथ ही विभिन्न जीव–जन्तुओं, पेड़–पौधों एवं अभ्यारन्यों का आनन्द लेते हुए शिविर की सार्थकता को सिद्ध किया। शिविर के दौरान संभागियों ने एक जनचेतना रैली भी निकाली जो कृषि विज्ञान केन्द्र आर.के. हॉस्पीटल, सुभाष चौक, हाउसिंग बोर्ड, द्वारकेश विद्या मन्दिर व सुभाष पब्लिक स्कूल धोइन्दा के सामने से होती हुई पुनः जिला मुख्यालय पर समाप्त हुई। रैली में सेठ

रंगलाल कॉलेज, राजसमन्द, राउमावि खटामला, राउमावि मियाला, देवगढ़, मॉडल स्कूल रेलमगरा आदि के स्काउट गाइड व रोवर रेन्जर ने सहभागिता की। सुभाष चौक पर स्काउट गाइड व रोवर रेन्जर ने नुक्कड़ नाटक करके पर्यावरण, बाल–विवाह, मृत्युभोज आदि कुरीतियों पर प्रकाश डालते हुए आम जन को जागरूक करने का प्रयास किया।

- 53वाँ उदय ओपन रोवर क्रु भुवाणा, उदयपुर स्थानीय संघ के रोवर्स ने 5 साल तक के बच्चों को पोलियो से रक्षा दवा पिलाई। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा आयोजित पल्स पोलियो दिवस पर स्थानीय संघ के रोवर्स ने सेवा देते हुए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। रोवर्स ने 5 साल तक के बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाने में सहायता की। सुरेश कुमार प्रजापत रोवर लीडर ने बताया कि स्थानीय संघ के रोवर्स ने घर–घर जाकर व पल्स पोलियो बूथों पर जाकर बच्चों को वैक्सीन देने का कार्य किया है। इस सेवा में शामिल होने वाले सभी रोवर्स ने विशेष रूप से परिश्रम, सामर्थ्य और जिम्मेदारी का पालन करते हुए बच्चों को स्वस्थ रखने के लिए अपनी

सेवाएं दी। समुदाय के इस सामाजिक कार्यक्रम में जयदीप सीनियर सेकेंडरी स्कूल के स्काउट, उदय ओपन रोवर क्रू के रोवर मंगल सिंह यादव, वीरेंद्र, कमल सिंह झाला, गोपाल, आदी ने अपनी सेवाएं दीं और समाज के प्रति अपनी सकारात्मक भूमिका निभाई। इस समर्पित प्रयास के माध्यम से स्थानीय संघ के रोवर्स ने न केवल स्वास्थ्य क्षेत्र में सकारात्मक कार्य किया है, बल्कि उन्होंने बच्चों को सुरक्षित रखने में भी अपना योगदान दिया है। इस अद्भुत पहल के माध्यम से रोवर्स ने समाज में सहयोग, सजगता और सेवा की भावना को बढ़ावा देने हेतु महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

- भारत स्काउट व गाइड, 53वां उदय ओपन रोवर क्रू, भुवाणा ने मेनारिया हाउस में आयोजित रक्तदान शिविर में रोवर लीडर सुरेश कुमार प्रजापत के नेतृत्व में रक्तदाताओं से रक्त की 75 यूनिट सफलता से जुटाई गईं। यह रक्तदान शिविर किशन जी सालवी और राष्ट्रपति रोवर डालचन्द्र मेनारिया की स्मृति में समर्पित था और यह तीसरा रक्तदान शिविर था। शिविर में रोवर्स ने अपने सकारात्मक सामर्थ्य के साथ योगदान किया। शिविर के मुख्य अतिथि संगीता चित्तौड़ा, मीना मंदोत ने

भुवाणा पंचायत के सरपंच मोहन लाल डांगी, राहुल मेनारिया दीपलाल मेनारिया, उप सरपंच किशन लाल, जयशंकर उप सरपंच बेदला की उपस्थिति में और अन्य समर्थकों के साथ मिलकर शिविर का संचालन किया। रक्तदान शिविर में सफलता के साथ ही, पेसिफिक हॉस्पिटल भीलों का बेदला, उदयपुर से आई डोनेशन टीम ने 75 यूनिट रक्त संग्रहित किया। इस माध्यम से समुदाय को सामाजिक सेवा में योगदान करने का मौका मिला और स्वस्थ समुदाय की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाया गया। इस रक्तदान शिविर में सम्मिलित हुए रोवर्स में वीरेंद्र, कमल सिंह, मंगल सिंह, और भविष्य सिंह ने अपनी सेवा दी। शिविर की जानकारी मुकेश कुमार कुमावत द्वारा दी गई।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, डूंगरपुर के तत्वावधान में जिला स्तरीय प्रकृति अध्ययन शिविर का आयोजन किया गया। स्काउट सी.ओ. सुनील कुमार सोनी ने बताया कि दिनांक 27 से 29 दिसम्बर तक लक्ष्मण मैदान डूंगरपुर पर आयोजित किये गए इस शिविर में संभागियो को प्रकृति के अध्ययन से जोड़कर प्राकृतिक ज्ञान देने का प्रयास किया गया। स्काउट संगठन के माध्यम से ऐसे शिविर में संभागियो को प्रकृति का अधिकाधिक ज्ञान देने का प्रयास किया जाता है। बालिकाओं ने पोस्टर तैयार कर प्रकृति के प्रति अपने विचारों को दर्शाया। शिविर में सी.ओ. स्काउट सुनील कुमार सोनी, नाना लाल अहारी, भेंरूलाल कटारा, ललित कुमार बरंडा, सुशीला डामोर, मक्सी राम फलेजा, नीतिज्ञ पंड्या ने प्रशिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं दी।

दक्षता पदक

स्काउट गाइड ज्योति में दक्षता पदकों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जा रही हैं। आशा है यह जानकारी प्रशिक्षण के मद्देनज़र उपयोगी साबित होगी। इस अंक में **'उपचारक' एवं 'कैंसर जागरूकता'** दक्षता बैज की जानकारी दी जा रही है।

उपचारक
AMBULANCE MEN

प्रत्येक स्काउट को जीवन में कई बार अचानक ऐसी दुर्घटनाओं का सामना करना पड़ता है, जिनके लिए आवश्यक ज्ञान से किसी की जान बचाई जा सकती है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए **उपचारक दक्षता बैज** का पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है। सफेद कपड़े पर लाल रंग में धन के चिन्ह (+) वाला यह बैज दोनों कन्धों पर 'शोल्डर बैज' के ठीक नीचे की ओर लगाया जाता है। इस दक्षता बैज के लिए निम्नानुसार पाठ्यक्रम पूर्ण करना आवश्यक है –

(1) प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय सोपान में प्राथमिक सहायता से सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर दे सके।

(2) अधिक व कम रक्तस्राव को रोकने के उपाय की जानकारी।

(3) टूटे हुए अंग की पहचान कर सके व उसे सही ढंग से बांध सके।

(4) गला घुट जाने की स्थिति में–'हेमलिच–विधि' से उपचार करना जाने।

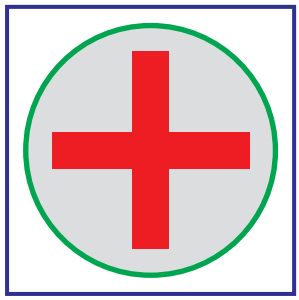

(5) 'मुंह से मुंह विधि' द्वारा कृत्रिम श्वास देने का प्रदर्शन करे।

(6) उपलब्ध साधनों द्वारा तात्कालिक स्ट्रेचर बनाने तथा गोल पट्टी बांधने का प्रदर्शन करे।

(7) मौखिक, लिखित या टेलीफोन द्वारा सही सन्देश भेजने का प्रदर्शन करना।

(8) केवल एक ही प्राथमिक सहायक होने की स्थिति में घायल को ले जाने की दो विधियों का तथा दो प्राथमिक सहायक होने की स्थिति में घायल को ले जाने की दो अन्य तरीकों का प्रदर्शन करे।

कैंसर जागरूकता
CANCER AWARENESS

मनुष्य के शरीर को कब कोई जानलेवा बीमारी घेर ले, कोई नहीं जानता। ऐसी ही बीमारी कैंसर के कारण व उपचार की जानकारी मानव को होनी चाहिये। कैंसर के बारे में जानना और आम जनता को जागरुक करना लाभकारी रहता है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए **कैंसर जागरुकता दक्षता बैज** का पाठ्यक्रम निम्नानुसार निर्धारित किया गया है।

(1) दैनिक जीवन में कैंसर उत्पन्न करने वाले तत्वों को पहचान सके।

(2) विस्तारपूर्वक जाने के कैंसर के रोगी का उपचार किस प्रकार किया जाता है तथा रोग के कारण को बिना कम किए, रोग को कैसे कम किया जा सकता है।

(3) निम्न के सम्बन्ध में जन–जागरुकता के लिए योजना बनाएं–

(अ) कैंसर के सात चिन्ह और सात लक्षण।

(ब) कैंसर का उपचार सम्भव है, यदि इसकी पहचान जल्दी हो जाए।

(स) कैंसर उत्पन्न करने वाली हानिप्रद आदतों से छुटकारा पाना।

(द) कैंसर से जुड़ी कल्पित–कथाओं (अन्धविश्वासों) को दूर करना।

हमारा स्वास्थ्य

उत्तम स्वास्थ्य में फल-सब्जी का महत्व

संकलनकर्ता –डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव

लेकिन अगर हम एक सार्वभौमिक दृष्टिकोण की बात करें तो अपने आपको स्वस्थ कहने का यह अर्थ होता है कि हम अपने जीवन में आने वाली सभी सामाजिक, शारीरिक और भावनात्मक चुनौतियों का प्रबंधन करने में सफलतापूर्वक सक्षम हों। वैसे तो आज के समय मे अपने आपको स्वस्थ रखने के ढेर सारी आधुनिक तकनीक मौजूद हो चुकी हैं, लेकिन ये सारी उतनी अधिक कारगर नहीं हैं। उत्तम स्वास्थ्य में फलों व सब्जियों का विशेष महत्व है।

स्वास्थ्य सिर्फ बीमारियों की अनुपस्थिति का नाम नहीं है। हमें सर्वांगीण स्वास्थ्य के बारे में जानकारी होना बहुत आवश्यक है। स्वास्थ्य का अर्थ विभिन्न लोगों के लिए अलग–अलग होता है। लेकिन अगर हम एक सार्वभौमिक दृष्टिकोण की बात करें तो अपने आपको स्वस्थ कहने का यह अर्थ होता है कि हम अपने जीवन में आने वाली सभी सामाजिक, शारीरिक और भावनात्मक चुनौतियों का प्रबंधन करने में सफलतापूर्वक सक्षम हों। वैसे तो आज के समय मे अपने आपको स्वस्थ रखने के ढेर सारी आधुनिक तकनीक मौजूद हो चुकी हैं, लेकिन ये सारी उतनी अधिक कारगर नहीं हैं। उत्तम स्वास्थ्य में फलों व सब्जियों का विशेष महत्व है। आईये जानते हैं इनके फायदे–

(1) **केला** : ब्लडप्रेशर नियंत्रित करता है, हड्डियों को मजबूत बनाता है, हृदय की सुरक्षा करता है, अतिसार में लाभदायक है, खांसी में हितकारी है।

(2) **जामुन** : केन्सर की रोक थाम, हृदय की सुरक्षा, कब्ज मिटाता है, स्मरण शक्ति बढाता है, रक्त शर्करा नियंत्रित करता है। डायबीटीज में अति लाभदायक।

(3) **सेवफल** : हृदय की सुरक्षा करता है, दस्त रोकता है, कब्ज में फायदेमंद है, फेफड़े की शक्ति बढ़ाता है।

(4) **चुकंदर** : वजन घटाता है, ब्लडप्रेशर नियंत्रित करता है, अस्थिक्षरण रोकता है, केंसर के विरुद्ध लड़ता है, हृदय की सुरक्षा करता है।

(5) **पत्ता गोभी** : बवासीर में हितकारी है, हृदय रोगों में लाभदायक है, कब्ज मिटाता है, वजन घटाने में सहायक है। केंसर में फायदेमंद है।

(6) **गाजर** : नेत्र ज्योति वर्धक है, केंसर प्रतिरोधक है, वजन घटाने में सहायक है, कब्ज मिटाता है, हृदय की सुरक्षा करता है।

(7) **फूल गोभी** : हड्डियों को मजबूत बनाता है, स्तन केंसर से बचाव करता है, प्रोस्टेट ग्रंथि के केंसर में भी उपयोगी है, चोट–खरोंच ठीक करता है।

(8) **लहसुन** : कोलेस्टरोल घटाती है, रक्त चाप घटाती है, कीटाणुनाशक है, केंसर से लड़ती है।

(9) **नींबू** : त्वचा को मुलायम बनाता है, केंसर अवरोधक है, हृदय की सुरक्षा करता है, ब्लड प्रेशर नियंत्रित करता है, स्कर्वी रोग नाशक है।

(10) **अंगूर** : रक्त प्रवाह वर्धक है, हृदय की सुरक्षा करता है, केंसर से लड़ता है, गुर्दे की पथरी नष्ट करता है, नेत्र ज्योति वर्धक है।

(11) **आम** : केंसर से बचाव करता है, थायराईड रोग में हितकारी है, पाचन शक्ति बढ़ाता है, याददाश्त की

कमजोरी में हितकर है।

(12) **प्याज** : फंगस रोधी गुण है, हार्ट अटेक की रिस्क को कम करता है। जीवाणु नाशक है, केंसर विरोधी है खराब कोलेस्टरोल को घटाता है।

(14) **अलसी के बीज** : मानसिक शक्ति वर्धक है, रोग प्रतिकारक शक्ति को ताकत देता है, डायबीटीज में उपकारी है, हृदय की सुरक्षा करता है, पाचन शक्ति को ठीक करता है।

(15) **संतरा** : हृदय की सुरक्षा करता है, रोग प्रतिकारक शक्ति उन्नत करता है, श्वसन पथ के विकारों में लाभकारी है, केंसर में हितकारी है।

(16) **टमाटर** : कोलेस्टरोल कम करता है, प्रोस्टेट ग्रंथि के स्वास्थ्य के लिये उपकारी है, केंसर से बचाव करता है, हृदय की सुरक्षा।

(17) **पानी** : गुर्दे की पथरी नाशक है, वजन घटाने में सहायक है, केंसर के विरुद्ध लड़ता है, त्वचा के चमक बढ़ाता है।

(18) **अखरोट** : मूड उन्नत करने में सहायक है, मेमोरी पावर बढ़ाता है, केंसर से लड़ सकता है, हृदय रोगों से बचाव करता है, कोलेस्टरोल घटाने में मददगार है।

(19) **तरबूज** : स्ट्रोक रोकने में उपयोगी है, प्रोस्टेट के स्वास्थ्य के लिये हितकारी है, रक्तचाप घटाता है, वजन कम करने में सहायक है।

(20) **अंकुरित गेहूं** : बड़ी आंत की केंसर से लड़ता है, कब्ज प्रतिकारक है, स्ट्रोक से रक्षा करता है, कोलेस्टरोल कम करता है, पाचन सुधारता है।

(21) **चावल** : किडनी स्टोन में हितकारी है, डायबीटीज में लाभदायक है, स्ट्रोक से बचाव करता है, केंसर से लड़ता है, हृदय की सुरक्षा करता है।

(22) **आलू बुखारा** : हृदय रोगों से बचाव करता है, बुढ़ापा जल्द आने से रोकता है, याददाश्त बढ़ाता है, कोलेस्टरोल घटाता है, कब्ज प्रतिकारक है।

(23) **पाईनएपल** : अतिसार (दस्त) रोकता है, वार्ट्स (मस्से) ठीक करता है, सर्दी ठंड से बचाव करता है, अस्थिक्षरण रोकता है। पाचन सुधारता है।

(24) **जौ, जई** : कोलेस्टरोल घटाता है, केंसर से लड़ता है, डायबीटीज में उपकारी है, कब्ज प्रतिकारक है, त्वचा पर शाईनिंग लाता है।

(25) **अंजीर** : रक्त चाप नियंत्रित करता है, स्ट्रोक्स से बचाता है, कोलेस्टरोल कम करता है, केंसर से लड़ता है, वजन घटाने में सहायक है।

(26) **शकरकंद** : आंखों की रोशनी बढ़ाता है, मूड उन्नत करता है, हड्डियाँ बलवान बनाता है, केंसर से लड़ता है।

नोट : उपलब्ध सभी साम्रगी केवल पाठकों की जानकारी और ज्ञानवर्धन के लिए दी गई है। हमारा आपसे विनम्र निवेदन है कि किसी भी उपाय को आजमाने से पहले अपने चिकित्सक से अवश्य संपर्क करें। हमारा उद्देश्य आपको रोचक और ज्ञानवर्धक जानकारी मुहैया कराना मात्र है। चिकित्सक की सलाह का कोई विकल्प नहीं है।

CELEBRATIONS DAYS : FEBRUARY-MARCH 2024

04 February	:	World Cancer Day
07 February	:	Safer Internet Day
20 February	:	World Social Justice Day
21 February	:	International Mother Language Day
22 February	:	Baden Pawell Day & Thinking Day
28 February	:	National Science Day
04 March	:	National Security Day
08 March	:	International Women Day
21 March	:	World forest Day
22 March	:	World Water Day
23 March	:	Shahid Diwas
30 March	:	Rajasthan Day

Plan an activity with your unit on these days and send your success stories & photos to "scoutguidejyoti@gmail.com"

हमारे महापुरुष

पंजाब केसरी लाला लाजपतराय

विजय सिंह माली
प्रधानाचार्य
श्री धनराज बदामिया रा.उ.मा.वि.
सादड़ी (पाली)

राष्ट्र की अर्चना ही मेरा धर्म है।
समाज की पूजा ही मेरी पूजा है।।

कहने वाले प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी, बहु आयामी व्यक्तित्व के धनी, सामाजिक कार्यकर्ता, पत्रकार, वक्ता, पंजाब केसरी के नाम से लोकप्रिय लाला लाजपतराय का जन्म 28 जनवरी 1865 को पंजाब के मोगा जिले के दूधि के गांव में राधाकृष्ण अग्रवाल की धर्मपत्नी गुलाब देवी की कोख से हुआ। इनके पिता उर्दू फारसी के अध्यापक थे तथा शिक्षा में रुचि रखते थे तो माता धार्मिक विचारों की महिला थी। अपने गांव, लुधियाना व अंबाला से स्कूली शिक्षा प्राप्त की। कक्षा में अव्वल रहने वाले लाला जी ने लाहौर के सरकारी कॉलेज में कानून की पढाई कर हिसार व लाहौर में अभ्यास शुरू किया। लालाजी एक बैंकर थे अतः उन्होंने देश को पहला स्वदेशी बैंक दिया। उन्होंने 1894 में पंजाब नेशनल बैंक की आधारशिला रखी। 1905 में वाराणसी में हुए कांग्रेस अधिवेशन में ओजस्वी उद्बोधन ने लोगों की अंतरात्मा को झकझोर दिया। गोपाल कृष्ण गोखले, सुरेंद्र नाथ बनर्जी, विपिन चंद्र पाल से जुड़े। 1907 में सूरत अधिवेशन में भाग लिया। यहीं से कांग्रेस में गरम दल का उदय हुआ तथा लाला लाजपत राय, बालगंगाधर तिलक, विपिन चंद्र पाल के रुप में लाल बाल पाल की तिकडी उभरी। 1905 में किए गए बंग भंग के विरोध में इनके भाषणों ने पंजाब के घर घर में देशभक्ति की आग धधका दी। लोग इन्हें पंजाब केसरी कहने लगे। स्वदेशी आंदोलन का समर्थन करने व राजनीतिक आंदोलन में भाग लेने के कारण इन्हें गिरफ्तार कर मांडले (म्यांमार) में निर्वासित कर दिया। वे स्वावलंबन से स्वराज प्राप्ति के पक्षधर थे। लाला लाजपतराय, बाल गंगाधर तिलक व विपिन चंद्र पाल की भी तिकडी पूरे देश में लोकप्रिय हो चुकी थी। 1908 में इंग्लैंड, 1913 में जापान, संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा की। इन यात्राओं के दौरान बुद्धिजीवियों के सम्मुख भारत की आजादी का पक्ष रखा। इससे वहां कार्यरत स्वाधीनता सेनानियों को सहयोग मिला। इन्होंने पंजाब के क्रांतिकारियों को हर संभव सहयोग दिया।

प्रथम विश्व युद्ध के दौरान लालाजी संयुक्त राज्य अमेरिका में थे। 1917 में न्यूयार्क शहर में इंडियन होमरुल लीग ऑफ अमेरिका की स्थापना की। 20 फरवरी 1920 को भारत लौटे और कांग्रेस के विशेष सत्र की अध्यक्षता की व असहयोग आंदोलन का समर्थन किया। जलियांवाला बाग हत्याकांड के विरोध में आंदोलन किया। 1921 में इन्होंने सर्वेंट्स आफ पीपुल्स सोसाइटी की स्थापना की। 1921–23 तक जेल में रहे। रिहाई के बाद स्वराज पार्टी में शामिल हो गए और विधानसभा के लिए चुने गए। लाला जी अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस के अध्यक्ष भी रहे। अखिल भारतीय हिंदू महासभा के संस्थापक सदस्य रहे लालाजी को 1925 के कोलकाता अधिवेशन में महासभा का अध्यक्ष बनाया गया। हिंदू हितों के प्रति संवेदनशील लालाजी ने अछूतोद्धार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 1926, में उन्हें केंद्रीय विधानसभा का उपनेता चुना गया। 1928 में साइमन कमीशन के बहिष्कार के लिए विधानसभा में प्रस्ताव पेश किया।

30 अक्टूबर 1928 को साइमन कमीशन के विरोध में लाहौर में हुए प्रदर्शन का नेतृत्व किया। पंजाब केसरी लाला जी शेर की तरह दहाड़े। यह देखकर अंग्रेजी पुलिस ने जुलूस पर लाठी चार्ज किया, लाला जी पर भी कई लाठियां बरसाई गई जिसमें वे बुरी

तरह घायल हो गए। लाला जी कह उठे– 'मेरे शरीर पर पड़ी एक–एक लाठी ब्रिटिश सरकार के ताबूत में एक–एक कील का काम करेगी।' 17 नवंबर 1928 को उनका देहावसान हो गया। लाला जी की मृत्यु से सारा देश उद्वेलित हो गया, चंद्रशेखर आजाद, भगतसिंह, राजगुरु और सुखदेव ने लाठीचार्ज का बदला लेने का निश्चय लिया। 17 दिसंबर 1928 को ब्रिटिश पुलिस अफसर सांडर्स की गोली मारकर हत्या कर दी।

हिंदी सेवा में भी लालाजी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शिवाजी, श्रीकृष्ण, मैजिनी, गेरीबाल्डी आदि महापुरुषों की जीवनियां लिखकर युवाओं को प्रेरित किया। पंजाब में हिंदी के प्रचार–प्रसार में सहयोग दिया। हिंदी के समर्थन में हस्ताक्षर अभियान चलाया। 1928 में अंग्रेजी में अनहैप्पी इंडिया, इंग्लैंड डेब्ट टू इंडिया, द पोलीटिकल फ्यूचर ऑफ इंडिया, द स्टोरी आफ माइ लाइफ लिखी।

लाला जी आर्य समाज रोहतक के सचिव बने तत्पश्चात उन्होंने आर्य समाज को पंजाब में लोकप्रिय बनाया। लाला हंसराज के साथ दयानंद एंग्लो वैदिक स्कूलों का विस्तार किया। आर्य गजट का संपादन किया। 1897–99 में अकाल पीड़ितों की सेवा की। कांगड़ा में आए भूकंप के समय बचाव राहत कार्य किए। समाज सुधारक के रूप में अस्पृश्यता, बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों का विरोध किया तथा विधवा विवाह, नारी शिक्षा व समुद्र यात्रा का समर्थन किया। उन्होंने अस्पृश्यता उन्मूलन के लिए हरिजन सेवक संघ के माध्यम से कार्य किया। अनाथ निराश्रितों के लिए अनाथालयों की स्थापना का सुझाव दिया।

लालाजी का मानना था कि पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ शांतिपूर्ण साधनों से उद्देश्य पूरा करने के प्रयास को ही अहिंसा कहते हैं।

उनका मानना था कि पराजय और असफलता कभी कभी विजय की ओर जरुरी कदम होते हैं।

आज लाला जी हमारे बीच नहीं हैं लेकिन महान स्वतंत्रता सेनानी और क्रांतिकारियों के प्रेरणा स्त्रोत लालाजी के कार्य और विचार सदैव हमको प्रेरित करते रहेंगे। महात्मा गांधी ने ठीक ही कहा –

'लाला जी अपने आप में एक संस्था थे। उनकी राष्ट्रभक्ति किसी भी प्रकार से संकीर्ण नहीं थी, उनकी गतिविधियां बहु आयामी थी, शायद ही कोई ऐसा जन आंदोलन रहा होगा जिसमें लालाजी की भागीदारी न रही हो। उन्होंने ऐसे समय में राष्ट्र के लिए अपने प्राण न्यौछावर किये जब सामान्य तौर पर ऐसा नहीं होता था।'

काव्य रचना

आगे कदम बढ़ाएँगे...

गिरीश पंकज
सेक्टर-3, एचआईजी-2, घर नंबर-2
दीनदयाल उपाध्याय नगर, रायपुर

हम स्काउटवाले बच्चे, करके कुछ दिखलाएँगे।
हर दिन अच्छे काम करेंगे, आगे कदम बढ़ाएँगे।।

यह दुनिया है कितनी प्यारी, इसका रक्षण करना है।
इसके लिए हमें जीना है, इसकी खातिर मरना है।।
इस धरती का कर्ज हैं हम पर, इसको सदा चुकाएँगे।
हम स्काउटवाले बच्चे, करके कुछ दिखलाएँगे।।

मानव जीवन मिला है हमको, अवसर नहीं गंवाना है।
दुखीजनों की सेवा करने, हरदम आगे आना है।।
वफादार हम अनुशासित बन, इक पहचान बनाएँगे।
हम स्काउटवाले बच्चे, करके कुछ दिखलाएँगे।।

बैडेन-पॉवेल ने हमें सिखाया, नेक सदा तुम बने रहो।
भले कार्य में तन से, मन से, हरदम बच्चों लगे रहो।।
रहो सदा तैयार मंत्र हम, कभी भूल ना पाएँगे।
हम स्काउटवाले बच्चे, करके कुछ दिखलाएँगे।।

पशु-पक्षी हर जीव हमारे, साथी हैं यह ज्ञान रहे।
नहीं किसी पर हिंसा करना, सबका ही सम्मान रहे।।
भेदभाव से दूर रहेंगे, सबको गले लगाएँगे।
हम स्काउटवाले बच्चे, करके कुछ दिखलाएँगे।।

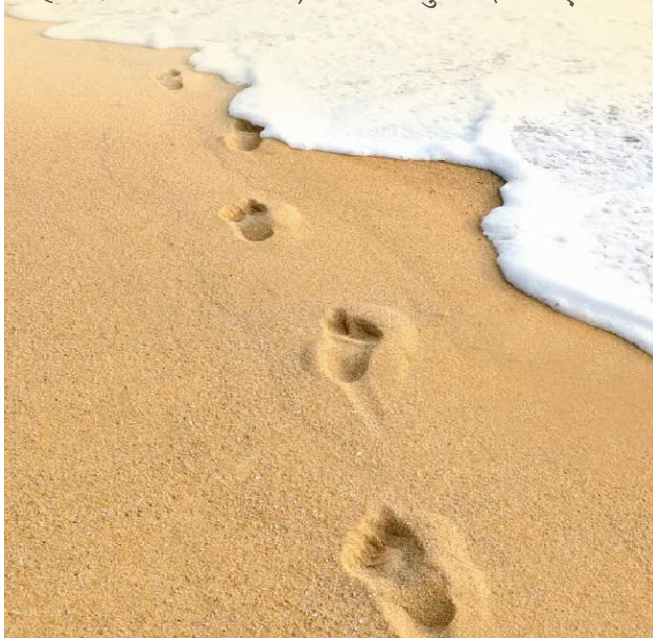

झालाओं की भूमि : झालावाड़

-स्काउट गाइड ज्योति डेस्क

'झा'लावाड़' को ''झालाओं की भूमि'' से परिभाषित किया गया है। झालावाड़ का अधिकांश क्षेत्र मालवा का हिस्सा रहा है। 1420 ईस्वी में माण्डू के शासकों द्वारा राघवदेव ''झाला'' को जागीर में प्राप्त हुई। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर नगर पालिका झालरापाटन द्वारा नगर के समीप चन्द्र भागा नदी के किनारे विख्यात चन्द्रभागा कार्तिक पशु मेला लगता है जिसकी रोनक डेढ़ माह तक बनी रहती है।

झालावाड़ के दर्शनीय स्थल-

- **गागरोन दूर्ग** - शहर से 4 किमी दूर उत्तर भारत का एक मात्र जल दूर्ग जो कालीसिंध एवं आहू नदी के संगम पर एक ऊँची पहाड़ी पर स्थित है। इस दूर्ग पर खींची राजपूतों का राज्य था। यहाँ पर इस दूर्ग की आन बान और शान की रक्षार्थ कई बड़ी–बड़ी लड़ाइयाँ लड़ी गई। गागरोन में सूफी संत ख्वाजा हमीदुद्दीन चिश्ती की दरगाह है जो 16 वीं सदी के अन्त तक यहाँ पर साधनारत रहे। कालीसिंध–आहू नदी के संगम पर दूसरी ओर संत पीपाजी की समाधि है। संत पीपाजी 14 वीं सदी में गागरोन के राजा थे, जो राजपाट त्याग कर संत हो गये थे।
- **गढ़ पैलेस** - झालावाड़ शहर के मध्य स्थित चोकोर पर कोटे से घिरा झाला राजाओं का विशाल राजमहल है। परकोटे में तीन कलात्मक द्वार, नक्कार खाना, विलायती दरवाजा एवं जनानी ड्योढ़ी है। महल का चार मंजिला अग्रभाग मेहराबों, छतरियों व गुम्बदों से सुसज्जित, अनुपातिक एवं बहुत सुन्दर है। महल के दो सभागारों में छत व दिवारों पर शीशे जड़े हैं। कमरों की दीवारों पर पारम्परिक शैली में पूर्व राजाओं एवं तत्कालिक घटनाओं के सुन्दर सजीव चित्र बने हैं।
- **भवानी नाट्यशाला** - गढ़ पैलेस के उत्तरी–पश्चिमी भाग में बनी यह नाट्यशाला सम्पूर्ण भारत में ओपेरा स्थापत्य शैली की अनूठी कृति है। इसका निर्माण 1921 में झालावाड़ के नरेश भवानीसिंह ने करवाया था। दर्शक दीर्घा के सामने विशाल रंगमंच है और तीन तरफ दूसरी व तीसरी मंजिल पर दर्शकों के लिये बालकनी बनी हुई है। बनावट इस प्रकार की है कि ध्वनि गुंजित होकर सभी दर्शकों को साफ सुनाई दे सके।
- **रेन बसेरा** - कोटा मार्ग पर कृष्णसागर तालाब के किनारे स्थित पूर्ण रूप से काष्ठ निर्मित यह भवन बहुत सुन्दर है और दूर से तालाब में तैरता जहाज सा प्रतीत होता है। इसे महाराजा राजेन्द्रसिंह ने 1936 में यहाँ स्थापित करवाया था।
- **झालरापाटन सूर्य मन्दिर** - मुख्यायल से 7 किमी झालरों की नगरी झालरापाटन शहर के हृदय स्थल में 97 फीट ऊँचा विशाल एवं भव्य प्राचीन सूर्य मन्दिर देश के विख्यात मन्दिरों में एक है। मन्दिर में पद्मनाभ विष्णु भगवान की मुर्ति स्थापित है। मन्दिर की स्थापत्य कला अनुपम है।
- **द्वारकाधीश मन्दिर** - गोतमी सागर के तट पर स्थित वल्लभ सम्प्रदाय का यह मन्दिर झाला राजपरिवार का आराध्य देवालय रहा है। इसमें द्वारकाधीश की सुन्दर प्रतिमा है।
- **चन्द्रावती मन्दिर** - शहर के पूर्व में प्राचीन नगरी चन्द्रावती के मन्दिर समूह चन्द्रभागा नदी के तट पर स्थित है। यह मन्दिर समूह 8 वीं सदी का है।
- **जैन मन्दिर चाँदखेड़ी** - मुख्यालय से 35 किमी दूर खानपुर कस्बे में दिगम्बर जैन सम्प्रदाय का प्राचीन एवं प्रसिद्ध मन्दिर है। मन्दिर के भूतल में स्थित गर्भ गृह में भगवान आदिनाथ जी की पद्मासन विशाल एवं चमत्कारी प्रतिमा है। मन्दिर का निमार्ण 1746 ई. में हुआ।
- **उन्हैल नागेश्वर** - मुख्यालय से 150 किमी दूर डग मार्ग पर उन्हैल गाँव में श्वेताम्बर जैन समाज के संगमरमर के निर्मित भव्य मन्दिर में श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ भगवान की 14 फीट खड़ी प्रतिमा प्रतिष्ठित है।
- **बौद्धगुफाएं कोल्वी** - मुख्यालय से 100 किमी दूर हाथिया गौड़ व कोल्वी गावों की पहाड़ियों में बौद्ध कालीन गुफाओं का समूह स्थित है। इन गुफाओं का निमार्ण पहाड़ी की चट्टानों को काट कर किया गया है।

झालावाड़ पहुँचने के लिये दिल्ली मुम्बई रेल्वे मार्ग पर भवानीमण्डी एवं रामगंजमंडी स्टेशन पर उतर कर पहुँचा जा सकता है।

गतिविधि पञ्चांग

राज्य स्तरीय पञ्चांग

प्रस्तावित

गतिविधि का नाम	स्थान	दिनांक
द्वितीय/तृतीय सोपान प्रशिक्षण शिविर	स्थानीय संघ स्तर	01 से 05.02.2024
स्काउटर गाइडर बेसिक कोर्स	जिला/मण्डल स्तर	01 से 07.02.2024
द्वितीय/तृतीय सोपान जांच शिविर	स्थानीय संघ स्तर	06 से 08.02.2024
राज्य पुरस्कार समारोह	जगतपुरा, जयपुर	20 से 23.02.2024
विश्व स्काउट दिवस/गाइड चिन्तन दिवस	सभी स्तरों पर	22.02.2024
स्वच्छता चेतना, जल संरक्षण, ऊर्जा संरक्षण सिंगल यूज प्लास्टिक रोकथाम, जन जागृति कार्यक्रम	सभी स्तरों पर	फरवरी–मार्च माह में

राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

NAME OF EVENTS	MONTHS & DATES	VENUE
National Integration Camp	19 - 23 February, 2024	NYC, Gadpuri, Haryana
National Level Cub/Bulbul Utsav	19 - 23 February, 2024	NYC, Gadpuri, Haryana

अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

NAME OF EVENTS	MONTHS & DATES	VENUE
10th National Jamboree - 2024 - Sri Lanka	20 - 26 February, 2024	Trincomalee
Juliette Low Seminar (JLS) 2024, WAGGGS' Leadership Development Programme for young people	April to December 2024	Virtual
JamBrownee at Pax Lodge World Centre	30 May - 02 June 2024	London, United Kingdom
Jamscout 2024- National Scout Jamboree in Spain	13 - 21 July 2024	Cobaleda, Soria
16th World Scout Moot 2025	25 July - 03 August, 2025	Lisboa, Portugal
Red Rose International Jamboree	03 - 10 August, 2024	United Kingdom
13th Nippon Agoonoree – National Camp for the Scouts with Special Needs	08 - 12 August, 2024	Fukushima, Japan
43rd World Scout Conference	17-23 August, 2024	Egypt

National Headquarters website : www.bsgindia.org

चित्र-विधिका

विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी के सीकर आगमन पर उनका तिलक लगाकर स्वागत करते हुए गाइड्स व अन्य पदाधिकारी

बारां में नव-पदस्थापित जिला कलक्टर श्री रोहिताश्व सिंह के कार्यग्रहण करने पर कलेक्टर कक्ष में स्वागत करता हुआ स्काउट परिवार बारां

टोंक में नव-पदस्थापित जिला कलक्टर डॉ. सौम्या झा का स्कार्फ पहनाकर अभिनंदन करते हुए टोंक के स्काउट गाइड सदस्यगण

झालावाड़ स्काउट गाइड परिवार के सदस्य नव पदस्थापित जिला कलक्टर श्री अजय सिंह राठौड़ का अभिनंदन करते हुए

अनूपगढ़ जिले के नवपदस्थापित जिला कलक्टर श्री अवधेश मीणा का स्काउट गाइड अनूपगढ़ संगठन के पदाधिकारियों ने स्कार्फ पहनाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया

बहरोड़ में नव-पदस्थापित जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल का अभिनन्दन करते हुए स्काउट गाइड परिवार कोटपूतली बहरोड़

राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु के साथ उदय ओपन रोवर क्रू भुवाणा (उदयपुर) के पुष्कर चौधरी व स्काउट गाइड

झुंझुनूं में पिरामिड बनाकर अपने साहस व कौशन से परिचय कराते स्काउट्स

प्रकाशक व मुद्रक : डॉ. पी.सी. जैन, राज्य सचिव, राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स व गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर
फोन नं. 0141-2706830 द्वारा मैसर्स हरिहर प्रिण्टर्स, जे-97, अशोक चौक, आदर्श नगर, जयपुर-302004 फोन : 0141-2600850 से मुद्रित।

हिन्दी मासिक एक प्रति रूपये पन्द्रह
प्रकाशन - प्रत्येक माह
पंजीकृत समाचार पत्रों की श्रेणी के अन्तर्गत
आर.एन.आई. नम्बर : RAJ BIL/2000/01835
प्रेषक :-
राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर-302015
फोन : 0141-2706830, 2941098
ई-मेल : scoutguidejyoti@gmail.com

Follow us on : facebook.com/scoutguidejyoti